



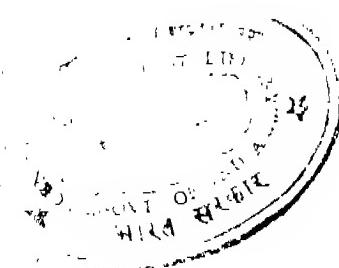
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 114]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 20, 1990/फाल्गुन 29, 1911

No. 114] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 20, 1990/PHALGUNA 29, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जास्ती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक, लोक शिक्षायत और पेंशन मंत्रालय

अनुमूल्य

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

(विभेद नियम 3)

प्रधिकृतता

[(विभागात्मक) व्यय विभाग के विभाग 15 मई, 1989 के कार्यालय
ज्ञापन मंड़ा 7(5)-ई. 1/89 का अनुबंध]

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1990

केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980

प्रधारणी होने की सारीष

1. केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980, जिसका
इसके बाद “योजना” के रूप में उल्लेख किया गया है। नवम्बर, 1980
को अधिकृति की गई थी। नया यह योजना 1 जनवरी, 1982 के
पूर्वीन्द्रित से प्रभावी हुई।

उद्देश्य

2. इस “योजना” का उद्देश्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों की कम
पालत तथा पूर्णतः अंशवान एवं स्वतः वित्तीय प्रशिक्षण के प्राधार पर सेवा में
रहने हुए मृत्यु ही जाने पर उनके परिवारों की महायता के लिए और
सेवा निवृति पर उनके समाधानों में वृद्धि करने के लिए प्रकाशन एवं
शिक्षण जाने का बीमा एवं शिक्षण का दोहरा लाभ प्रदान करता है।

गा का नि. 387 (अ) : -अधिकृत भारतीय सेवा (समूह बीमा)
नियमावली, 1981 के नियम 5 के साथ पठित अधिकृत भारतीय सेवा
प्रधिकृतियम, 1951 (1951 या 61) की शारीर 3 की उपवारा (1)
हारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, संवैधित राज्य
सरकारों से परामर्श करके, अधिकृत भारतीय सेवा (समूह बीमा) नियमा-
वली, 1981 में और प्रागे संशोधन करके, नियमित्वित नियम घोषित
की, अध्यति : -

1. (1) इन नियमों का नाम अधिकृत भारतीय सेवा (समूह बीमा)
मंसीधन नियमावली, 1990 है।

(2) ये अनवरी 1990 के प्रथम दिन से लागू हुए, समझे जाएंगे।

3. अधिकृत भारतीय सेवा (समूह बीमा) नियमावली 1981 में
विशेष अनुमूल्य के लिए, नियमित्वित अनुमूल्य प्रतिस्थापित की जाएगी,
अध्यति : -

लागू होना।

3.1 यह “योजना” सशस्त्र तथा अर्थव्यवस्था के सदस्यों को कोर्टर, फ्रिसके लिए कि पहले से ही उनकी प्रभावी अलग योजनाएँ हैं ऐसे उक्त और बार तथा रक्षा में तार्कीय सरकारी कर्मचारियों महिने गयी केंद्रीय कर्मचारियों पर पात्र होती। ठेके ५२ रुपए ग्र. कर्मचारी, शत्रु सरकारी, सरकारी क्षेत्र के उक्तकारी प्रधान अधिकारी, विदेशों में भारतीय मिशनों में भर्ती किए गए स्थानीय कर्मचारी, अंतियत सजदूर, अशकालिक और तदर्द कर्मचारी इम “योजना” के अन्तर्गत नहीं आते। यह “योजना” उन अधिकारीयों पर भी लागू नहीं होती जो ३१ वर्ष की आयु हो जाने के बाद केंद्रीय सरकार के अन्तर्गत भर्ती किए गए हैं। ऐसे केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को, जिन पर यह “योजना” लागू होती है इसके पाण्डान् कर्मचारी कहा जाएगा।

3.2 ऐसे पुनर्नियूक्त रक्षा कार्मिक जो मशस्त्र वर्गों के सदस्यों पर लागू समूह वीमा योजना के अंतर्गत विस्तारित वीमा रक्षण का लाभ उठा रहे हैं, वह सक्त केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समूह वीमा योजना, १९८० के सदस्य बनने के पात्र नहीं होते जब तक वे उक्त वीमा रक्षण का लाभ उठाते। जारी रखें। उम लाभ की समाप्ति पर तथा निष्पत्ति वर्षों को पूरा करने के प्रवित्र उन कार्मिकों को उनके अनुरोध पर केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समूह वीमा योजना, १९८० का सदस्य बनने पर विचार किया जा सकता है।

सदस्यता

4.1 यह “योजना” उन सभी “कर्मचारियों” के लिए अनिवार्य नहीं होती है। यह “योजना” के अधिकृति वर्त दिए जाने के पाण्डान् केंद्रीय सरकारी सेवा में आते हैं अप्रत्यौ १ अक्टूबर, १९८० के पाण्डान् केंद्रीय सरकारी सेवा में आने वाले कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से इस “योजना” के अन्तर्गत शामिल किया जाएगा।

4.2 जो “कर्मचारी” उम “योजना” के अधिकृति होने की हार्दिक की केंद्रीय सरकारी सेवा में थे, उसके पात्र यह विकल्प था कि वे ३१ जनवरी, १९८१ तक उम “योजना” में बाहर हो सकते थे। जिन “कर्मचारियों” ने उम तारीख तक उम “योजना” में बाहर रहने का विकल्प नहीं दिया था। उन्हें उम “योजना” के प्रभावी होने की तारीख से उम योजना का सदस्य भवि लिया गया था। स्थापि, जिन “कर्मचारियों” ने उम “योजना” में बाहर रहने का विकल्प चुना था उन्हें २० फरवरी, १९८२, १४ फरवरी, १९८३, ३० नार्थ, १९८५ और २७ अक्टूबर, १९८६ की उम “योजना” के सदस्य बनने के भौत अद्यतन प्रावान किए गये थे। उम ग्रीष्मरां १२ दिनांक कार्मा ने १० में दिया जाना था। उन कर्मचारियों की विकल्प की घोषणा कोई अद्यतन प्रावान नहीं दिया गया, जो २७ अक्टूबर, १९८६ का दिन ग्रीष्मतर का लाभ उठाने में असकत रहे।

4.3 “योजना” प्रभावी हो जाने के पाण्डान् कियो र्थि वर्ष २ जनवरी अप्रवाने उक्तके बाद सेवा में आने वाले सभी “कर्मचारियों” को “योजना” की अन्ती वर्षगठ पर “योजना” के सदस्य को स्वयं में शामिल कर दिया जाएगा।

सदस्यों द्वारा अंदाज

5.1 ३१ दिसंबर, १९८९ तक “योजना” के लिए १० ग्र. प्रतिमाह की यूनिटों में अंगदान करता होता है। उसके बाद I जनवरी, १९९० में “योजना” के लिए अंदाज १५/-रु. प्रतिमाह की यूनिटों में होता। वे सभी कर्मचारी जो ३१ जनवरी, १९८९ को इस “योजना” के सदस्य थे, उनके पात्र १५/-रु. प्रतिमाह के अंगदान वाली योजना से बाहर रहने का विकल्प है। इस विकल्प का अंदाज १५ जून, १९९० तक उक्त रुप दिया जाना चाहिए। जो कर्मचारी निष्पत्ति तारीख तक १५/-रु. प्रतिमाह कार्मा अंगदान यूनिट की “योजना” में बाहर रहने का विकल्प नहीं देते

उक्ते वर्षे में वह मास शिया जाएगा कि उस्तें। अन्तरी, १९९० से प्रतिमाही १५/-रु. प्रतिमाह की अंगदान वाली यूनिटों की “योजना” में शामिल होने का विकल्प चुन दिया है। एक बार दिया गया (अंगदान दिया गया) विकल्प अविकल्प मध्यम जापानी तथा अन्य कोई विकल्प देते थे अवश्य नहीं दिया जाएगा। दूसरे कर्मचारी जो १५/-रु. प्रतिमाह का अंगदान दूसरी वाली “योजना” से बाहर रहने का विकल्प चुनते हैं, वे “योजना” के लिए १०/-रु. प्रतिमाह का यूनिटों में शेषदान गुणा तथा तक जारी रखें अब तक कि वे सेवानिवृत्ति, तथा गाव, दूसरे इत्यादि के नाम सेवानिवृत्ति भविकार के रोजगार से अलग नहीं हो जाते।

5.2 सनह “घ” कर्मचारी १ की यूनिट के लिए सनह “घ” कर्मचारी दो यूनिटों समूह “घ” कर्मचारी वर्त यूनिटों तथा समूह “क” कर्मचारी अट कर्मचारों के लिए अंगदान करते हैं। इस प्रकार, इस योजना के प्रेस मध्यमों के लिए जो १५/-रु. प्रतिमाह का अंगदान यूनिटों की योजना में बाहर रहने का विकल्प देते हैं, सनह “घ” “ग”, “ख” और “क” कर्मचारियों के लिए अंगदान का दर अंदाज १०/-रु., २०/-रु., ४०/-रु और ८०/-रु. प्रतिमाह होती है। दूसरे कर्मचारियों के मध्यमे में “योजना” के लिए अंगदान की दर समूह “घ” “ग”, “ख” और “क” कर्मचारियों के लिए अंदाज १५/-रु., ३०/-रु., ६०/-रु और १२०/-रु प्रतिमाह होती है।

5.3 किसी कर्मचारों के एक समूह से दूसरे समूह में विस्तित प्रवोक्ति हो जाने की स्थिति में, उस कर्मचारी का अंगदान “योजना” की अगली वर्षगांठ से उस समूह के स्तर के अनुरूप तक बढ़ा दिया जायेगा जिसमें उसकी पदोन्नति हुई है। “योजना” की अगली वर्षगांठ की तारीख तक, ऐसा कर्मचारी उसी राशि की वीमा रक्षण प्राप्त करना रखेगा जिसके लिए उक्त एवं पदोन्नति से पूर्वे पात्र था।

उदाहरण के तर पर यदि अंगदान की समोक्ति दरें। जनवरी, १९९०, में प्रभावी होती हैं तो एक समूह “घ” कर्मचारी जो फरवरी, १९९० में विस्तित प्राधार पर समूह “ग” में पदोन्नत हो जाता है, वह विस्तित, १९९० तक १५/-रु. प्रतिमाह की दर से ही अंगदान करना जारी रखेगा और अपने अंगदान के अनुरूप बचत निधि से मिलते वाले लाभों के अतिरिक्त केवल १५०००/-रु के वीमा रक्षण के लिए पात्र होगा। जनवरी, १९९१ से उसका अंगदान बढ़ाकर ३०/-रु. प्रतिमाह कर दिया जाएगा और उक्त कर्मचारी बचत निधि के समुचित लाभों के अतिरिक्त ३०,०००/-रु. के वीमा रक्षण के लिए पात्र हो जाएगा।

5.4 यह पता होते हुए कि किसी अविकल्प प्राधार पर जारी रहने की अंगदाना है, कर्मी-कर्मी “अगले प्रादेश होने तक” के प्राधार पर विभिन्न कारणों से नहीं की जा सकती है। इसलिए जब उक्त कोई पदोन्नति एक विनियिट तथा अल्पावधि के लिए न की गई हो तथा जब उक्त कोई पदोन्नति एक विनियिट तथा अल्पावधि के लिए न की गई हो तथा यह संभावना होती है कि उस प्रवधि की समाप्ति भर रह कर्मचारी निचले समूह के किसी पत्र पर प्रत्यावर्तित हो जाएगा, कर्मचारी की “योजना” के प्रयोजन के लिए विस्तित प्राधार पर पदोन्नत हुए माना जाना चाहिए तथा तबनुसार ही अंगदान दिया जाना चाहिए। इस प्रवत के बारे में कि क्या किसी कर्मचारी के निचले समूह के पत्र पर प्रत्यावर्तित होने की संभावना है, नियंत्र प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्रत्येक मासले की परिस्थितियों को मध्येनजर रखते हुए प्रपते विवेक ने लिया जा सकता है। एक बार यदि कोई अविकल्प किसी उच्चतर समूह में शामिल कर या गया है तो उसके अंगदान की दर उसी स्तर पर जारी रखें भले ही वह कर्मचारी बाद में किसी भी कारण से निचले समूह के पत्र पर प्रत्यावर्तित होने की संभावना है, नियंत्र प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्रत्येक मासले की परिस्थितियों को संभावना होती ही अविकल्प प्राधार पर जारी रखें जाएगा।

मदस्यों के अतिरिक्त “कर्मचारियों” के लिए वीमा-विस्तर और वीमा रक्षण

6. किसी भी वर्ष २ जनवरी को अप्रवाने उक्तके बाद सेवा में प्रवेश करने वाले कर्मचारियों को सरकारी सेवा शुरू करने की तारीख से उनके

इस योजना के सदस्य वर्तने की तारीख तक बीमा रक्षण के प्रत्येक 15000 रु. के लिए बीमा किस्त के रूप में 5.00 रु. प्रतिमाह के अंशदान था भुगतान करते पर मनुष्यिन बीमा रक्षण का यात्रा दिया जाएगा। "योजना" की वर्पंगाठ की तारीख में वे 35% पैसा 5.2 में दर्शायी गई दर से अंशदान करेंगे।

उदाहरण के तार पर, यदि अंशदान की संगोरित दरें । जनवरी, 1990 से प्रभावी होती हैं तो फरवरी, 1990 में सेवा में आने वाला मनुष्य "ष" का कोई कर्मचारी 15000 रु. के बीमा रक्षण के लिए दिसम्बर, 1990 तक 11 महीने का अवधि के लिए बीमा किस्त के रूप में 5.00 रु. प्रतिमाह का अंशदान प्रति कर्मचारी और जनवरी, 1991 से उसका अंशदान बढ़ाकर 15 रु. प्रतिमाह का दिया जाएगा तथा वह 15000 रु. के बीमा रक्षण के प्रतिलिपि बब्ल 1 निधि के लाभों के लिए भी पात्र हो जाएगा। इसी प्रका०, फरवरी, 1990 में सेवा में आने वाला कोई मनुष्य "ग" कर्मचारी 30,000 रु. के बीमा रक्षण के लिए दिसम्बर, 1990 तक 11 महीने को अवधि के लिए भी पात्र हो जाएगा।

सदस्यों के लिए बीमा निधि तथा बीमा रक्षण

7.1 योजना के प्रत्येक सदस्य को बीमा रक्षण प्रदान करते के उद्देश्य से अंशदान का एक भूल बीमा निधि में डाल दिया जाएगा जो केंद्रीय सरकार के लोक लेवे में रखा जाएगा। बीमा रक्षण की राशि 15 रु. प्रतिमाह के अंशदान का प्रत्येक यूनिट के लिए 15000 रु. तथा 10 रु. प्रतिमाह के अंशदान का प्रत्येक यूनिट के लिए 10,000 रु. होगा। यह राशि उन "कर्मचारियों" के परिवर्ती को अदा को जाएगी जिनको केंद्रीय सरकार को सेवा में रहने द्वारा दुर्भाग्यवश किसी कारण से, जिसमें आत्महत्या भी शामिल है, मृत्यु हो जाए।

7.2 बीमा निधि के अन्तर्गत धनात्मक तथा अहगात्मक शेष राशियाँ, छांकबर बब्ल 1 बैंक जारीराशि पर मौजूदा व्याज दर पर, जो इस समय 5½% प्रतिवर्ष है, आकति व्याज का राशि के साथ, जैसा भी सामग्री होते के कलस्वरूप सेवानिवृत्त होने अथवा केंद्रीय सरकार में रहने उसकी सेवा समाप्त होने पर सदस्य को अथवा सेवा में रहते हुए सदस्य की मृत्यु होने पर उसके परिवार को देय होते।

बब्ल 1 निधि

8.1 अंशदान की शेष राशि बब्ल 1 निधि में डाली जाएगी। बब्ल 1 निधि में धनराशि केंद्रीय सरकार द्वारा लोक लेवे में रखी जाएगी। बब्ल 1 निधि में जमा हुई कुल राशि तथा उस पर व्याज सेवानिवृत्त की आय होने के कलस्वरूप सेवानिवृत्त होने अथवा केंद्रीय सरकार में रहने उसकी सेवा समाप्त होने पर सदस्य को अथवा सेवा में रहते हुए सदस्य की मृत्यु होने पर उसके परिवार को देय होते।

8.2 बब्ल 1 निधि से वाम्नविक लाभ प्रत्येक वर्ष के लिए जारी की जाने वाली तालिका में दिया गए अनुसार होगा। तालिका प्रत्येक रामेचारी के अंशदान तथा उसमें से 3.60 प्रति हजार होगा। तालिका प्रत्येक कर्मचारी के अंशदान तथा उसमें से 3.60 प्रति हजार प्रतिवर्ष की मृत्यु दर पर बीमा यात्रा द्वारा दिए जाने और 12% प्रतिवर्ष की दर पर अक्रूरि व्याज (तिमाही प्राप्त पर मंयोजित) के आधार पर सेवार की जाएगी। यदि किसी भी समय व्याज की दर प्रीर/अथवा बीमा की लागत में परिवर्तन होता है तो बब्ल 1 निधि में होने वाले लाभों में भी उन्नुसार परिवर्तन होगा।

8.3 सेवा में रहते हुए किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने के पायासे भी बीमा राशि का भुगतान बब्ल 1 निधि में से भुगतान के अविवित होगा।

8.4 बब्ल 1 निधि के अन्तर्गत धनात्मक शेष राशि विस्त अंशदान, आधिक वायरिंग द्वारा इस प्रयोजन हेतु यांत्रिक व्याज दर ५% आक्रित व्याज राशि बेबल जमा की जाएगी।

8.5 1 जनवरी, 1982 से 31 दिसम्बर, 1982 तक की अवधि के लिए बब्ल 1 निधि में शेष राशि पर 10% प्रतिवर्ष (तिमाही आधार पर संयोजित) की दर पर और 1 जनवरी, 1983 से 31 दिसम्बर, 1986 तक की अवधि के लिए बब्ल 1 निधि में शेष राशि पर 11% प्रतिवर्ष (तिमाही आधार पर संयोजित) की दर पर व्याज अनुसन्धान था 1 जनवरी, 1987 से बब्ल 1 निधि में शेष राशि पर 12% प्रतिवर्ष (तिमाही आधार पर संयोजित) की दर पर व्याज अनुसन्धान है।

अंशदान की वसूली

9.1 किसी सदस्य का किसी महीने का अंशदान उस महीने की पहली तारीख को सामान्य कार्य-समय प्रारम्भ होने पर देय हो जाएगा।

9.2 बीमा रक्षण के लिए बीमा किस्त के रूप में अंशदान संगकारी सेवा मूल करने की तारीख से "योजना" की सदस्यता की तारीख तक प्रारम्भन : कार्यमार संभालने की तारीख से तथा बाद में प्रत्येक माह की पहली तारीख को सामान्य कार्य-समय बालू होने पर देय हो जाएगा।

9.3 किसी भी महीने के लिए अंशदान "कर्मचारी" के उस महीने के बेतन/मजदूरी में से वसूल कर लिया जाएगा जोह उस महीने के बेतन/मजदूरी के वाम्नविक भुगतान की तारीख कोई भी हो।

9.4 अंशदान प्रत्येक महीने वसूल किया जाएगा जिसमें वह महीना भी शामिल होगा जिसमें "कर्मचारी" सेवा निवृति, मस्तु, स्थानपत्र, वरषास्तीर्णी इत्यादि के कारण गोवगार से अलग हो जाएगा।

9.5 आहरण और संवितरण अधिकारी "कर्मचारियों" से अंशदान वसूल करेगा जाहे थे डब्लूटी पर, छट्टी पर अथवा निलंबित हों।

9.6 यदि बेतन/मजदूरी के भुगतान में विषम्ब के कारण अंशदान की वसूली नहीं की जा सकी हो तो अंशदान की बकाया राशि पर कोई व्याज नहीं लिया जाएगा।

9.7 यदि कोई "कर्मचारी" अनाधारण छट्टी पर है और किसी अवधि के लिए उसके बेतन/मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ है तो उन महीनों के लिए अंशदान जिनके लिए उसको कोई बेतन/मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ है, बब्ल 1 निधि में जमा राशियों पर "योजना" के अन्तर्गत स्वीकार्य व्याज सहित निकटतम रु. में पूर्णांकित करते हुए, "कर्मचारी" के स्कूटी के बाद कार्यमार संभालने के महीने के अगले महीने से शुरू करके उसके बेतन/मजदूरी में से अधिक से अधिक तीन किसी में वसूल किया जाएगा। यदि किसी "कर्मचारी" की अमासुरण छट्टी पर रहते हुए, मृत्यु है तो उसके प्रति देय अंशदान और बब्ल 1 निधि में जाम राशियों पर "योजना" के अन्तर्गत स्वीकार्य व्याज की वसूली निकटतम रुप ए में पूर्णांकित किया करते हुए "योजना" के अन्तर्गत परिवार को स्वीकार्य भुगतान योग्य राशि में वसूल की जाएगी।

उदाहरणार्थ यदि कोई समूह "ष" कर्मचारी 3.2.1990 से 4.12.1990 तक दम महीने की असाधारण छट्टी पर बला जाता है और उसे मार्च, 1990 से नवम्बर, 1990 तक किसी भी दिन का बेतन/मजदूरी अवान नहीं की जाती है तो उसके कुल 135 रु. के अंशदान तथा 12% प्रतिवर्ष की दर पर आहरण प्राप्तिकर्ता अनुरोध किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रतिनियुक्ति/इतर सेवा की शर्तों में इस आशय का एक आवश्यक उपचार शामिल किया जाए। इस राशि की वसूली की निगरानी छट्टी बेतन तथा पेशन अंशदान पर लागू नारीख में रखनी होगी। यद्यपि किसी भी समय अंशदान की बापसी की गणि वकाया रख जाती है तो वह बकाया राशि "योजना" के अन्तर्गत दबत निधि में जमा राशि पर ग्रीकार्य व्याज महित गगूग वा जाएगी जो तीन शक्तियों से अधिक में नहीं होगी।

9.8 यदि कोई कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर अथवा इतर सेवा में जाता है तो कर्मचारी के मार्गकर्ता प्राप्तिकर्ता/इतर नियोक्ता से अंशदान की वसूली करने तथा उसे संबंधित लेखा शा० में जमा करने हेतु अनुरोध किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रतिनियुक्ति/इतर सेवा की शर्तों में इस आशय का एक आवश्यक उपचार शामिल किया जाए। इस राशि की वसूली की निगरानी छट्टी बेतन तथा पेशन अंशदान पर लागू नारीख में रखनी होगी। यद्यपि किसी भी समय अंशदान की बापसी की गणि वकाया रख जाती है तो वह बकाया राशि "योजना" के अन्तर्गत दबत निधि में जमा राशि पर ग्रीकार्य व्याज महित गगूग वा जाएगी जो तीन शक्तियों से अधिक में नहीं होगी।

सामान्य/अंशदायी भवित्व निधि से अंदरान को विस्त ब्रह्मस्था

10.1 सामान्यतः सामान्य/अंशदायी भवित्व निधि से “योजना” का वित प्रब्रह्म फरने की अनुमति नहीं होगी। तथापि यदि किसी अवस्था में किसी सदस्य विशेष की स्थिति उसे यह इजाजत न दे कि वह “योजना” के लिए तथा सामान्य/अंशदायी भवित्व निधि के लिए एक साथ अंदरान कर सके, उसे एक अलग संव्यवहार के रूप में सामान्य/अंशदायी भवित्व निधि में से “योजना” में किए गए एक वर्ष के अंशदायी की राशि के ब्राह्मवर अप्रतिदेय अधिक निकलाने की स्वीकृति दी जा सकती है।

10.2 “योजना” में अंशदाय, ऐसे अंशदाय के कारण सामान्य अंशदायी भवित्व निधि से अंतिम रुप से लापता ली गई राशि की सीमा के अलावा उस कटौती का एक हिस्सा होगा जो आयकर को प्रयोजन के लिए अंशदाया भी कुल अधिक की गणना करने में शीमा किसी भवित्व निधि इत्यादि में अंशदाय के सदर्श में स्तोत्रार्थ है।

बीमा निधि/बचत निधि में से भुगतान

11.1 यदि कोई “कर्मचारी” अधिवर्पिता की आयु होने पर सेवा निवृत्त हो जाता है अथवा विसी अधिकारण से उसकी केन्द्रीय सरकारी सेवा समाप्त हो जाती है और उसकी सेवा पुस्तिकारा से यह पता चल जाता कि वह “योजना” का सदस्य रहा है तो फार्म म. 4 में एक माध्यरण आवेदन पत्र प्राप्त करने के पश्चात् कार्यालय अध्यक्ष सदस्यकी बचत निधि में जमा राशि का भुगतान किए जाने हेतु एक स्वीकृति जारी करें।

11.2 यदि किसी “कर्मचारी” की सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है और उसकी सेवा-पुस्तिकारा से यह पता चल जाता है कि वह योजना का सदस्य था तो कार्यालय अध्यक्ष संबंधित सरकारी कर्मचारी के नामित व्यक्तियों/वारिसों को फार्म स. 51 में लिखेगा कि वे फार्म स. 6 में अप्रतिदेन प्रस्तुत करें तथा उसके प्राप्त होने पर शीमा राशि तथा बचत निधि में संचित राशि की उस/उन्हें भुगतान किए जाने हेतु स्वीकृति जारी करें।

11.3 योजना के किसी “सदस्य” की सेवाकाल के दौरान ही मृत्यु हो जाने की स्थिति में, यदि किसी ऐसे व्यक्ति पर जो शीमा राशि प्राप्त करने का पात्र है “योजना” के सदस्य की हत्या करने अथवा ऐसा अपराध करने के लिए उकसाने का आरोप है, उसका/उसकी शीमा राशि प्राप्त करने का याचन तथा तक निलंबित रहेगा जब तक उस व्यक्ति के विहृत स्थानित की गई दायिक कार्यवाही पर अनिम निर्णय नहीं हो जाता। यदि दायिक कार्यवाही के निष्कर्ष से संबंधित व्यक्ति पर हत्या अथवा हत्या में उकसाने का दोष पिछ हो जाता है तो उसे शीमा राशि में उसके हिस्से से वंचित कर दिया जाएगा और उसका हिस्सा अन्य पात्र व्यक्तियों में बदल बदल बदल दिया जाएगा। तथापि दायिक कार्यवाही के निष्कर्ष से यदि संबंधित व्यक्ति हत्या अथवा हत्या के लिए उकसाने के आरोप से मृत्यु हो जाता है तो शीमा राशि में उसके हिस्से की राशि उसको उम राशि पर बिना किसी व्याज के अदा कर दी जाएगी।

11.4 यदि “योजना” का कोई सदस्य लापता हो जाता है और उसका पता नहीं मिलता है तो सदस्य के लापता होने के अगले माह से 7 वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद लापता व्यक्ति के नामित व्यक्तियों/वारिसों को शीमा राशि का भुगतान कर दिया जाएगा बारमें कि दावेदार व्यक्ति सदस्य की मृत्यु अथवा भारतीय साक्ष अधिनियम की धारा 108 में यथा निर्धारित न्यायालय को इस आवाय की डिग्री कि संबंधित कर्मचारी को मृत रामका जाए, का उल्लिन तथा प्रविवाद माश्य प्रस्तुत करें। तथापि, बचत निधि में जमा राशि का भुगतान सदस्य के लापता होने के अगले महीने से एक वर्ष की अवधि समाप्त होने पर नामित व्यक्तियों/वारिसों ने निम्नलिखित शर्तों के पूरा होने पर कर दिया जाएः—

(i) परिवार को संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज करानी होगी और यह रिपोर्ट प्राप्त करनी होगी कि पुलिस के पूरे प्रयास करने के बावजूद भी कर्मचारी को कोई पता नहीं मिला।

(ii) कर्मचारी के नामित व्यक्तियों/वारिसों से इस आशय का अस्तित्व अन्धपत्र लिया जाना चाहिए कि यदि कर्मचारी स्थय उपस्थित हो जाता है और अपना कोई दावा पेश करता है तो उसे भुगतान कर्मचारी को देय भुगतान राशि के प्रति समाचोरित कर दिए जाएँ।

11.5 लापता कर्मचारी के नामित व्यक्तियों/वारिसों से कर्मचारी के लापता होने की तारीख को लागू अंशदाय की दर पर कर्मचारी के लापता होने से अगले महीने से एक वर्ष की अवधि के लिए पूरा अंशदाय वसूल किया जाना आरी रहेगा। उसके पश्चात् 15000 रु. के प्रत्येक बीमा रक्षण के लिए 4.50 रु. प्रतिमाह की दर से अगले 7 वर्षों की अवधि के लिए या उस माह तक कि बीमा रक्षण राशि का भुगतान किया जाता है, इनमें से जो भी पहले हो, बीमा रक्षण हेतु बीमा किस्त की राशि वसूल की जाएगी। तथापि यदि एक पूरे वर्ष के लिए पूरा अंशदाय तथा बचत निधि में जमा राशि पर स्वीकार्य बर पर ब्याज की वसूली एक वर्ष पश्चात् देय बचत निधि में से को जाती है तो यह स्वीकार्य होगा। इसी प्रकार, बीमा रक्षण के प्रत्येक 15000/- रु. के लिए 4.50 रु. प्रतिमाह की दर पर अगले 7 वर्षों के लिए शीमा किस्त तथा उस पर बचत निधि में संचित राशि स्वीकार्य दर पर ब्याज की वसूली भी सदस्य के लापता होने के बाव बाले महीने से सात वर्ष की अवधि समाप्त होने के पश्चात् भुगतान की जाने वाली राशि में से को जाए।

11.6 वैश 11.4 में उल्लिखित शर्तों को पूरा करने के अधीन लापता कर्मचारी के नामित व्यक्तियों/वारिसों को शीमा राशि का भुगतान कर दिया जाएगा जाहे लापता कर्मचारी की अधिवर्पिता की तारीख उसके लापता होने के बाव वाले महीने में सात वर्ष को। अवधि पूरा होने ते पहले हो क्यों न पड़ी हो।

11.7 जिस “कर्मचारी” को केवल शीमा रक्षण का ही लाभ है उसके नामित व्यक्तियों/वारिसों को वही राशि देय होगी जो उसके समूह के लिए उपयुक्त शीमा राशि होगी।

11.8 “योजना” के ऐसे सदस्यों को जिसकी सेवाकाल के बाव न मृत्यु ढा जाए, देय राशि निम्नानुसार होती :-

- (क) समुक्त शीमा की वह राशि जिसका वह मृत्यु के समय पात्र था;
- (ख) निम्नतम समूह में उसकी सदस्यता की संपूर्ण अवधि के लिए बचत निधि में से देय राशि; और
- (ग) उच्चतर में नियुक्ति/पदोन्नति के कारण प्रत्येक प्रबसर पर उसके बड़ाए गए अंशदाय की अतिरिक्त यूनिटों के लिए अंशदाय की दर बढ़ाए जाने से उसकी मृत्यु की तारीख तक की अवधि के लिए देय राशि/राशियाँ।

उदाहरण ।

यदि कोई समूह “घ” कर्मचारी जो जमवरी 1984 से “योजना” का सदस्य है, 5 वर्ष तथा 15 वर्ष बाव फ्रेश : समूह “ग” मार “ख” की सदस्यता प्राप्त करता है और इन सभी समूहों में 30 वर्ष की कुल सदस्यता के पश्चात् सेवाकाल के दोरान ही उनकी मृत्यु हो जाती है तो उनके नामित व्यक्तियों को निम्नानुसार राशियाँ प्रदा की जाएगी : -

- (i) मृत्यु की तारीख को समूह “ख” कर्मचारी होने की गुरुवर 60 रु. के मासिक अंशदाय पर देय 60000 रु. की शीमा राशि।
- (ii) जमवरी, 1984 से दिसम्बर, 1989 तक 10 रु. के मासिक अंशदाय और जनवरी, 1990 से दिसम्बर, 1913 तक 15 रु. के मासिक अंशदाय पर (कुल 30 वर्ष) बचत-निधि से देय राशि।

- (iii) जनवरी, 1989 से दिसम्बर, 1989 तक 10 रुपये (20 रुपये-10 रुपये) के मासिक अंशदान और जनवरी, 1990 से दिसम्बर, 2013 तक 15 रु. (30 रु-15 रु.) के मासिक अंशदान पर (कुल 25 रुपये) बचत निधि से देय राशि ।
- (iv) जनवरी, 1990 से दिसम्बर, 2013 (कुल 15 रुपये) 30-60 रु. के मासिक अंशदान पर बचत निधि से देय राशि ।

उदाहरण II

यदि कोई समूह “ब” कर्मचारी जनवरी, 1990 से “योजना” का सदस्य बनता है और 5 वर्ष, 15 वर्ष और 30 वर्ष की सेवा के पश्चात क्रमशः समूह “ग”, समूह “ब” और समूह “क” का सदस्य बन जाता है तथा इन सभी समूहों में कुल सदस्यता के 31 वर्ष के पश्चात् सेवा करते हुए भर जाता है तो उसके नामित/मामितों को निम्नलिखित राशियों की मात्रा अवा की जाएगी :-

- (i) मृत्यु की तारीख को समूह “क” कर्मचारी होने के मात्रे 120 रु. के मासिक अंशदान पर देय 1,20,000 रु. की भी राशि राशि ।
- (ii) 31 वर्षों के लिए 15 रु. के मासिक अंशदान पर बचत निधि से देय राशि ।
- (iii) 26 वर्षों के लिए 15 रु. (30 रु.-15 रु.) के मासिक अंशदान पर बचत निधि से देय राशि ।
- (iv) 16 वर्षों के लिए 30 रु. (60 रु.-30 रु.) के मासिक अंशदान पर बचत निधि से देय राशि ।
- (v) 1 वर्ष के लिए 60 रु. (120 रु.-60 रु.) के मासिक अंशदान पर बचत निधि से देय राशि ।

11.9 ऐसे कर्मचारी को जो खाग-पत्र, सेवा निवृत्ति आदि के कारण केन्द्रीय सरकार की सेवा से अलग हो जाता है, भुगतान योग्य राशि इस प्रकार होती :-

- (क) निम्नतम समूह में उसकी सदस्यता की कुल अधिकारी के लिए बचत निधि से उसको देय राशि; और
- (ख) उच्चतर समूह में नियुक्ति, पदोन्धति के कारण प्रत्येक व्यक्ति बढ़ाए गए उन के अंशदान तक अतिरिक्त यूनिटों के लिए हम प्रकार बढ़ाए गए अंशदान की वर की तारीख से उसके सदस्यता से अलग होने की तारीख तक की अवधि के लिए उनको देय राशि अवधा राशियों ।

उदाहरण I

यदि कोई समूह “ग” कर्मचारी, जो जनवरी, 1983 से “योजना” का सदस्य है, सेवा के 10 और 20 वर्ष पश्चात् क्रमशः समूह “ब” और “क” में सदस्यता प्राप्त करता है और इन सभी समूहों में कुल सदस्यता के 30 वर्ष पश्चात् अधिकारी की भाग्य प्राप्त करने पर सेवामुक्त होता है तो उसको निम्नलिखित राशियों की मात्रा अवा की जाएगी :-

- (i) जनवरी, 1983 से दिसम्बर, 1989 तक 20 रु. के मासिक अंशदान पर भी जनवरी, 1990 से दिसम्बर, 2012 तक (कुल 30 वर्ष) 30 रु. (60 रु.-30 रु.) के मासिक अंशदान पर बचत निधि में उसको देय राशि ।
- (ii) जनवरी, 1993 से दिसम्बर, 2010 तक (कुल 20 वर्ष) 30 रु. (60 रु.-30 रु.) के मासिक अंशदान पर बचत निधि में उसको देय राशि ।
- (iii) जनवरी, 2003 से दिसम्बर, 2012 तक (कुल 10 वर्ष) 60 रु. (120 रु.-60 रु.) के मासिक अंशदान पर बचत निधि से उसको देय राशि ।

उदाहरण 2

यदि कोई समूह “ब” कर्मचारी, जो जनवरी, 1991 में “योजना” का सदस्य बनता है, सेवा के 15 और 25 वर्षों के पश्चात् असमयः समूह “ग” और समूह “ब” में सदस्यता प्राप्त करता है और इन सभी समूहों में कुल सदस्यता के 32 वर्ष के पश्चात् अधिकारी की भाग्य प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति हो जाता है तो उसको निम्नलिखित राशियों की मात्रा अवा की जाएगी । -

(i) 32 वर्षों के लिए 15 रु. के मासिक अंशदान पर बचत निधि से उसको देय राशि ।

(ii) 17 वर्षों के लिए 15 रु. (30 रु.-15 रु.) के मासिक अंशदान पर बचत निधि में उसको देय राशि ।

(iii) 7 वर्षों के लिए 30 रु. (60 रु.-30 रु.) के मासिक अंशदान पर बचत निधि में उसको देय राशि ।

11.10 यदि कोई कर्मचारी किसी महीने के बीचारे उससे उस महीने के लिए अंशदान की वसूली से पहले भर जाता है तो उसकी देय राशियों का भुगतान अंशदान घटाने के पश्चात् किया जाएगा ।

11.11 यदि कोई कर्मचारी किसी अखिल भारतीय सेवा में बाद में आता है तो उसका भासला वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित किए गए तरीके से नियमित किया जाएगा ।

वीमा निधि/बचत निधि से विशेषिता

12.1 “योजना” के किसी सदस्य अवधा लाभदारी के लिए उस बचत निधि में से, जिसमें उसके द्वारा अंशदान किया जा रहा है, किसी राशि के निकालने की अनुमति नहीं होगी । सेवा के बीचारे योजना के किसी महस्य की मृत्यु पर निधि से देय राशि का हिसाब पैरा 11.8 के अनुसार लगाया जाएगा और उसका भुगतान अलग से निर्धारित लेखाकरण पद्धति के अनुसार उसके नामित/मामितों को किया जाएगा ।

11.2 योजना के किसी सदस्य के लिए उस बचत निधि में से, जिसमें उसके द्वारा अंशदान किया जा रहा है, किसी राशि के निकालने की अनुमति नहीं होगी । खाग-पत्र, सेवा-निवृत्ति आदि के कारण उसके नीकरी से अलग हो जाने पर निधि से उसको देय राशि का हिसाब पैरा 11.9 के अनुसार लगाया जाएगा और उसका भुगतान उसे अवधा उसके नामित/मामितों को अलग से निर्धारित लेखाकरण पद्धति के अनुसार किया जाएगा ।

वीमा-निधि/बचत निधि से अधवा उसमें संचित राशि से छूट/अधिम

13.1 योजना के किसी सदस्य अवधा अन्य लाभदारी को उस वीमा निधि/बचत निधि में संचित राशि में से, जिसमें उसके द्वारा अंशदान किया जा रहा है कोई छूट अवधा अधिम नहीं दिया जाएगा ।

13.2 योजना का कोई सदस्य, जिसने सरकार से गृह लिर्सांग अधिम प्राप्त किया है, वह कोई भूकंप अवधा लैपार गृहदा मकान/फ्लैट अधिग्रहण करने के लिए अवधा मकान/कूटैट बनाने के लिए अनिवार्य छूट प्राप्त करने के प्रयोगत से अपना वीमा निधि तथा बचत निधि में संचित राशि किसी माल्यता प्राप्त वित्तीय संधान को समुद्रेशित कर सकता है । यदि “योजना” का कोई सदस्य कामे नं. 11 में निखिल हप में अनुरोध करता है तो वीमा अवधा अधवा निधि में संचित राशि को ममत्वेणित करने के लिए विभागाध्यक्ष की विशेष स्वीकृति लेखकर अनुमति दी जा सकती है अतः विभागाध्यक्ष की सम्मान द्वारा अवधा अधिम की कुल राशि बीचारे वित्तीय संधान के लिये द्वारा अधिम संधान में अधिक अवधा अधिम न हो ।

13. 3 यदि "योजना" के सदस्य के परिवार के किसी सदस्य के नाम पर कोई भूखंड है और वह उम्मीदवार के मानने का प्रत्यावरण करता है तभी यदि "योजना" का कोई गवर्नर अमेरिकी परिवार के किसी सदस्य के नाम पर तैयार शुद्ध भौतिक फैटेट यथवा कोई भूखंड अधिग्रहण करने का प्रस्ताव करता है तो उसे मान्यता प्राप्त विजेता सम्मान से अपने प्राप्त करने के लिए आगे बीमा रक्षण और अन्न तिविमि में संचित राशि को समन्वेति करने की अनुमति होगी।

13. 4 विभागाध्यक्ष बीमा रक्षण और बचत तिविमि में संचित राशि को प्रमुखियत करने के लिए आगे बीमा रक्षण की सूचना कर्मचारी को कार्यालय में 12 में देगा। कार्यालय ने 11 में कर्मचारी का अनुरोध और कार्यालय 12 में स्वीकृति की सूचना दाता स्थानी में सेवा अभिनेत्र में निम्नलिखित प्रविष्टि के साथ कर्मचारी ने सेवा अभिनेत्र में चिपका दी जाएगी:—

"श्री/श्रीमतो कुमारी"

(कर्मचारी का नाम)

को उसके अनुरोध पर केंद्रीय सरकारी यमुना बीमा योजना, 1980 के अन्तर्गत अपने बीमा रक्षण और बचत तिविमि में संचित राशि को

(मान्यताप्राप्त दिव्यापि

के पान गमनवैशिष्ट्य करने की अनुमति

सम्मान का नाम)

पत्र म..... दिनांक द्वारा दी गई।

13. 5 योजना के अन्तर्गत "कर्मचारी" अववा उम्मीदवार के दावों का निष्पादा करने समय अग्रणी के कारण कर्मचारी से वेतन के रूप में वित्तीय संस्थान द्वारा कर्मचारी से प्राप्त अववा की राशि के बारे में किए गए शब्दों की राशि बिना किसी विस्तृत वर्णन के संस्थान की अप्राप्ति की जाएगी और केवल अपने राशि, यदि कोई हो, कर्मचारी अववा उसके मामिन (तों) को अदा की जाएगी।

बीमा तिविमि/बचत तिविमि में संचित राशियों का उत्पादन

14. बीमा तिविमि/बचत तिविमि में संचित राशियों के केंद्रीय सरकार के अधिकार में होगी। यह यह योजना द्वारा स्थानान्तरी तथा स्वतंत्र वित्तीय संस्थान के लाभ की अन्य योजनाओं द्वारा उत्पादन में लाग जाने का प्रस्ताव है।

योजना का अधिगूच्छ करने का दृष्टिकोण

15. यह "योजना" सूचनापट पर उसकी पर्याप्ति, लगातार "कर्मचारियों" को अधिगूच्छ की जाएगी अववा जहाँ ऐसा सूचनापट पर उम्मीदवार के प्रमुख स्थान पर जाना कर्मचारी कार्य कर रहे हैं, मुख्य मंत्री है तो "योजना" की कुछ प्रतियोगी कर्मचारियों नीं मान्यताप्राप्त नियमों/ऐसोमिप्पणों को भी प्रदान कर दी जाए।

योजना का अधिगूच्छ करने का दृष्टिकोण

16. जिस महीने में यह "योजना" अधिगूच्छ की जाती है उसमें आगे आने वाले प्रत्यक्ष महीने की 10 तारीख तक कार्यालयाध्यक्ष उन अविनियोगों के नाम, ममुन, जन्म तिथि और नियुक्ति की तारीख आहरण और संवितरण अधिकारी की विवेशा जो पूर्ववर्ती महीने के दौरान केंद्रीय सरकार के अधीन किसी सेवा अववा पर पर नियुक्त किए जाएं और जो योजना के वैग्र 3 की जरूरी के अनुसार "योजना" के सदस्य बनाए जाने के पावर हैं।

लागू होने वाली "योजना" पर कार्यालय

17. 1 योजना लागू होने के महीने की 10 तारीख तक कार्यालयाध्यक्ष को प्रत्येक उम्मीदवार का, जो योजना के अधिगूच्छ करने की तारीख को सरकारी सेवा में था किन्तु जिसने योजना से बाहर रहने का विकल्प नहीं दिया था, नाम, ममुन और जन्मनियत नियिट फरते हुए एक विवरणन्पत्र आहरण और अविनियोग को देना होता था।

17. 2 "योजना" के प्रत्येक सदस्य को उसके पौंछकरण की तारीख, कटौती किए जाने वाले अंगदान और जिन लाभों को प्राप्त करने का वह पावर देता, के बारे में फार्म सं. 1 में सूचित किया जाएगा। एक ममुन में दूसरे समूह में उसकी नियमित पोदोश्वति होने पर उसे इसी प्रकार फार्म सं. 2 में सूचित किया जाएगा।

17. 3 उन कर्मचारियों द्वारा दिया गया विकलन फार्म सं. 3 में होता या जो योजना के अधिगूच्छ होने की तारीख को पहले वे हो सकता रहता सेवा में थे जिसे संबंधित अविनियोगी की सेवा पुस्तिका में विपक्षारा जाता होता था।

सदस्यों का रजिस्टर

18. कार्यालयाध्यक्ष यह सुनिश्चित करेगा कि सदस्यों का समूहवार रजिस्टर फार्म में, 9 में बनाया जाता है और अववार रखा जाता है यह रजिस्टर वर्ष में एक बार संबंधित आहरण और सेविन्ग अविनियोगों के पास यह जांच करने पौरी इस आवाग व प्रमाण-पत्र अभिलिखित करने के लिए देता जाएगा कि उन सभी कर्मचारियों के उपायक अववार की वसूली की जाएगी और इस योजना के अन्तर्गत बीमा नियिट अववा बीमा विधि और वसूल नियिट दोनों में सम्मिलित है।

नामांकन

19. 1 कार्यालयाध्यक्ष "योजना" के प्रत्येक सदस्य से उस राशि के प्राप्त करने के अधिकार से संबंधित, जो अधिविषयिता की आवृत्ति प्राप्त करने में पूर्व उसकी मृत्यु होने की वजा में इस योजना के अन्तर्गत देय हो, एक या अधिक अविनियोगों के बारे में नामांकन प्राप्त करेगा। योजना के अधिगूच्छ किए जाने की तारीख के पश्चात् केंद्रीय सरकार की सेवा में आने वाले "कर्मचारियों" के मामले में ऐसे नामांकन कार्यालय संबलने की विप्रैट के साथ प्राप्त किए जाएंगे।

19. 2 यदि योजना का सदस्य नावालिग है तो उसे वसूला को आयु प्राप्त करने पर नामांकन प्रस्तुत करना आवश्यक होता।

19. 3 यदि "योजना" के सदस्य का पौरिवार नामांकन करने के समय है तो वह ऐसा नामांकन केवल अपने परिवार के सदस्य अववा तथा सदस्यों के पावर में करेगा/करेगी। इन प्रयोगों के लिए पौरिवार का वहाँ अपने होता जो उसके संबंध में सामान्य भविष्य नियिट (केंद्रीय सेवा) नियम, 1960 अववा अववारी भविष्य नियिट (मार्ग), 1962, जैसा भी मामला हो, में निर्धारित किया गया है।

19. 4 यदि "योजना" का कोई सदस्य अववा प्राप्त पौरिवार ने अपने पति को बाहर करने की सूचना कार्यालयाध्यक्ष को सिविल रूप में अपन करती है तो भविष्य में उन मामलों में जिनसे "योजना" का संबंध है, उसके पति का परिवार का सदस्य तथा तभी समझा जाएगा तब तक कि वह सदस्य बाहर में इस प्रकार की सूचना को निविल रूप में दृढ़ न कर दे।

19. 5 किसी परिवार के सदस्य/के सदस्य होते हुए बीमा राशि प्राप्त अववारी से पूर्व यदि उस परिवार के नामिनि सदस्य/सदस्यों के बाद में ऐसे मामले हों जिनमें प्रवासक माई अववारकों का उच्च पार करने, अविवाहित बहिन का विवाह होने तथा विवाह का युनिविवाह होने पर ऐसे सदस्यों के पावर में किया गया नामांकन प्रवैत्र हो जाएगा।

19. 6 यदि कोई सदस्य एक से अधिक अविनियोगी को नामिन करता है तो उसे नामितों में से प्रत्येक को देव भाग की राशि का, उन्नेल नामांकन में इस प्रकार करना आहिए कि "योजना" के अन्तर्गत देय समस्त राशि प्राप्त-पूरी करते हों जाएं ऐसों त हीसे पर "योजना" के अन्तर्गत देय राशि नामितों में बारावर-बारावर विवरन कर दी जाएगी।

19. 7 नामांकन जैसा परिविवाहियों के अनुसार अपवृत्ति हो, पार्न सं. 1 या पार्न में 8 में किया जाएगा—

19. 8 दोषमा का गदरय किसी भी गदरय उपर्युक्त प्रावधान के खूबान पर सामाजिक के साथ कार्यालयाध्ययन नो एक नोटिस भेजकर पुराने नामांकन को रद्द कर सकता है।

19. 9 सदस्यों से आज नामांकन कार्यालयाध्ययन द्वारा प्रतिरूप-अधिक लिए जाएंगे और उनकी मेवा पुस्तिकारों में विषयाएं जाएंगे। कार्यालयाध्ययन सेवा-पुस्तिकारों में प्रश्निटि भी करेगा कि नामांकन विधिवत् रूप से प्राप्त हो गया है।

19. 10 यदि "योजना" का कोई सदस्य बैठक नामांकन विधि बता भर जाता है तो, यदि कोई नामांकन मामान्य अधिक लिखित/प्रेगदायी मामान्य अधिक लिखित निश्चयों के अन्तर्गत किया गया है तो उसे इस "योजना" के प्रयोगन के लिए भी स्वीकार किया जाना चाहिए। जहाँ सामाजिक अधिक लिखित/प्रेगदायी अधिक लिखित व्यापकों के लिए वे कोई नामांकन नहीं हैं तो इस "योजना" के अन्तर्गत देव गति निम्न प्रकार से प्रथा की जाएंगी :

(क) नमस्त राणि शिवाय/विद्वान्यों, अवश्यक पुरुषों तथा अविवाहित पुस्तियों में वरावार हिस्सों में विभक्त कर दी जाए व्यापते कि एक से अधिक विधवा के मामले में इसी द्वारा वात्र के विवाह के लिए केन्द्रीय सरकार को विधिवत् स्वीकृति हो, अवश्यक पुरुषों और पुस्तियों के मामले में उनको माना, जो मुस्लिम न हो, दैव गति प्राप्त करने के लिए मूल रूप से मंत्रकार समझी जाएंगी। मंत्रकार प्रमाण-पत्र मुस्लिम महिला के अवश्यक पुरुषों और पुस्तियों के द्वारा प्रस्तुत किया जाना होता है।

(ख) उपर्युक्त "क" के अन्तर्गत पात्र सदस्य/सदस्यों की अनुस्थिति में अदायगी परिवार के अन्य सदस्यों में वरावार हिस्सों में की जाए जैना कि मामान्य अधिक लिखित केन्द्रीय (मेवा) नियम, 1960/प्रेगदायी अधिक लिखित नियम (भारत), 1963 में विवरित किया गया है।

(ग) उपर्युक्त "ख" के अन्तर्गत पात्र सदस्य/सदस्यों की अनुस्थिति में भी अदायगी उपर्युक्त मर्दों(फ) और (ख) के अन्तर्गत न भाने वाले अथवा कानूनी उत्तराधिकारी/उत्तराधिकारियों नो को जाए।

19. 11 ऐसा 10. 10 को मद (क) और (ख) के अन्तर्गत आने वाले शायेश्वरों के मामले में अदायगी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रस्तुत

एवं ऐसे आप्रवाह के लिए राष्ट्रीयाध्ययन द्वारा की जाएंगी फिल्म वीरा 19. 10 की मद (ग) के अन्तर्गत आने वाले विशेषज्ञों को अदायगी की विधि में अन्तर्गत आने वाली विधि गति गति उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाना होता।

20. केन्द्रीय सरकार रामेश्वर ममृह वीरा योजना, 1977

इन विधान के 23 जून 1977 के भारतीय भारत नं. 60/1477-प्राई. सी., के द्वारा प्राप्त की गई केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी अमृह वीरा योजना 1977 उन कर्मचारियों के लिए जारी रखी जिन्होंने सेवानिवृत्ति, व्यापार व मर्यादा अधिक के कारण केन्द्रीय सरकार के रोजगार से बाहर रहने तक केन्द्रीय सरकारी अमृह वीरा योजना, 1980 में शामिल न होने का विकल्प दिया है।

नेतृत्वाकरण :

21. 1 योजना से संबंधित नेतृत्वों का नेतृत्व भरना से ही नहीं पहली के अनुभाव रखा जाएगा।

21. 2 "योजना" के हिस्से नहस्त से अमृह योग्य मर्यादारी देय राशियों का दृग 1.3.5 में दी गई अवधारा के प्रतीक। इन "गति" के अन्तर्गत भूगतान-प्राप्त शायेश्वरों के वाद गति नहीं होते किया जाता। मिवंचन और स्पष्टीकरण :

22. 1 यदि कर्मचारियों का कुछ श्रेष्ठियां समृह "क", समृह "ख", समृह "य" अवधारा समृह "य" में विशेष रूप से वर्णित नहीं की गई हैं तो उनका वर्णीकरण केन्द्रीय सिविल मेवा (अर्दीकरण विवरण और अधीक्षा) नियम, 1965 के अन्तर्गत इस मंत्रालय में दिए गए नियंत्रणों के अनुभाव माना जाएगा।

22. 2 "योजना" के वार्तविक कार्यालय में इन "योजना" के किसी प्रावधान के विवरण के संबंध में यदि कोई मंत्रेन्द्र उत्तर हो तो अवधारा की किसी सुनिश्चित फरते के लिए स्पष्टीकरण को अवश्यकना होती है तो मामले को विवरणालय में भेज किया जाए जिसका निर्णय अनिवार्य होगा।

योजना की समीक्षा :

23. "योजना" की सर्वेत्रिक कार्यालय में इन "योजना" के किसी प्रावधान के विवरण के संबंध में यदि कोई मंत्रेन्द्र उत्तर हो तो अवधारा की प्रावधान के लिए सुनिश्चित फरते के लिए सारांश को अवश्यकना होती है तो मामले को विवरणालय में भेज किया जाए जिसका निर्णय अनिवार्य होगा।

फार्म सं. 1

भारत सरकार

..... भूगतान व

..... विभाग/कार्यालय

दिनांक

जापन

श्री* समृह कर्मचारी को में
केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समृह वीरा योजना, 1980 के सदस्य के रूप में शामिल कर लिया गया है। उनके रुप, माह में शुरू करने हुए उनके वेतन/मजदूरी में
(..... ग.) का मासिक अंशदान से समृह के अनुस्पष्ट योजना के लाभ पाने के पात्र होंगे।

(कार्यालयाध्ययन)

सेवा में

श्री*

*कर्मचारी का नाम और पदनाम

पार्ट त. 2

भारत सरकार

गंतव्य

विभाग/कार्यालय

दिनांक

श्रापन

श्री* को दिनांक से समूह से में नियमित आधार पर प्रोत्साहित किया जाता है।
 केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह वीमा योजना, 1980 में उनका मासिक अंगदान माह में रु. से बढ़कर रु. कर दिया जाएगा और वे में समूह के अनुरूप योजना के लाभ पाने के पात्र होंगे।

(कार्यालयाध्यक्ष)

मेवा में,

श्री*
 कर्मचारी का नाम और पदनाम

फार्म सं. 3

मेवा में,

(कार्यालयाध्यक्ष)

महोदय,

मैंने नई केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह वीमा योजना, 1980 को पढ़ लिया है और समझ लिया है। मुझे योजना के बारे में इस नई "योजना" से बाहर रहने का विकल्प देता हूँ।

भवदीय,

()
कर्मचारी का नाम और पदनाम

स्थान

दिनांक

मेवा में,

फार्म सं.

.....*

विषय:— केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह वीमा योजना, 1980 के अन्तर्गत सचित राशि की अदायगी के लिए आवेदन पत्र।

महोदय, मैं** से केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह वीमा योजना, 1980 का सदस्य रहा हूँ। मैं वर्ष की आयु प्राप्त हो जाने पर सेवा निवृत्त हो चुका हूँ। मैं से केन्द्रीय सरकार की नौकरी में नहीं रहा हूँ। केन्द्रीय सरकार से सेवानिवृत्ति/नौकरी समाप्त होने से पूर्व मैं पर पर था। अनुरोद है कि केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह वीमा योजना के अन्तर्गत जो राशि मुझे देय है उसका मुझे भुगतान कर दिया जाए।

भवदीय,

()

*कार्यालयाध्यक्ष का पद नाम तथा पता

**इस योजना के भद्रस्य होने के

माह तथा वर्ष का यहां पर उल्लेख
किया जाए।

फार्म सं. 5

मेरी.....
भारत सरकार
..... मंत्रालय
..... विभाग
..... का कार्यालय
दिनांक

मेवा में,

*.....

.....

विषय :— केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980 के अन्तर्गत देश राशि की अदायगी।

प्रिय महोदय/महोदया,

मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि स्व. श्री *..... ने केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980 के अन्तर्गत देश राशि को पूर्ण रूप में /..... प्रतिशत राशि की अदायगी के लिए आपको नामित किया है इसलिए आपमें अनुरोध है कि अदायगी की अवस्था किए जाने हेतु संलग्न फार्म सं. 6 में आवेदन पत्र प्रस्तुत करें।

भवदीय,

()

*नामित व्यक्ति का नाम तथा पता

फार्म सं. 6

मेवा में,

*.....
.....

विषय :— केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना 1980 के अन्तर्गत स्वर्गीय श्री *..... को देश राशि का भुगतान करने के संबंध में आवेदन पत्र।

महोदय,

आपके दिनांक के पत्र सं. के संदर्भ में मैं एतदद्वारा अनुरोध करता/करती हूं कि केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना के अन्तर्गत स्व. श्री को देश राशि को पूर्ण/प्रतिशत राशि की मुक्ति अदायगी कर दी जाए।

भवदीय,

()

*उम कार्यालय का नाम और पता जहां से फार्म सं. 5 प्राप्त हुआ।

फार्म सं. 7

केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980 के अन्तर्गत लाभ हेतु नामांकन।

जब सरकारी कर्मचारी का कोई परिवार न हो और वह एक अव्यावा एक से अधिक व्यक्ति नामित करना चाहता हो।

मैं, जिसका कोई परिवार नहीं है, एतदद्वारा नीचे उल्लिखित व्यक्ति/व्यक्तियों को नामित करता हूं तथा उसे/उन्हें यह अधिकार प्रदान करता हूं कि वे नीचे उल्लिखित सीमा सक कोई भी राशि प्राप्त कर सकते हैं जो केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 824 GI/90—2

1980 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा सेवाकाल के दौरान मेरो मृत्यु हो जाने पर स्वीकृत की जाए अथवा जो राशि मेरी अधिविधिता का आयु हो जाने पर देय हो गई हो किन्तु मेरो मृत्यु पर असंदर्भ रह जाए।

प्राप्ति/प्राप्तियों के सरकारी कर्मचारी आयु
नाम तथा पते के साथ संबंध

प्रत्येक को अदा किया
जाने वाला* राशि-
हिस्सा

वे आकस्मिकताएं
जिनके घटने पर

उम्म व्यक्ति यदि कोई हो, का
नाम, पता तथा संबंध जिसको
नामांकन रद्द हो जाएगा नामित की सरकारी कर्मचारी से पूर्व मृत्यु हो जाने
को स्थिति में उसका हक्क
चला जाएगा

- 1.
- 2.
- 3.

दिनांक 19 को में दो गवाहों के हस्ताक्षर :

- 1.
- 2.

सरकारी कर्मचारी के हस्ताक्षर

विशेष ध्यान दें :—

सरकारी कर्मचारी अपनी अंतिम प्रविधिट के नीचे खाली स्थान पर एक लाइन खींच दें ताकि उनके हस्ताक्षर करने के बाद कोई अन्य नाम उनमें न जोड़े जा सकें।

*इस कालम को इस प्रकार से भरा जाना चाहिए कि बीमा योजना के अन्तर्गत भी जाने वाली समस्त राशि उसमें शामिल हो जाए।

**जड़ों सरकारी कर्मचारी, जिसका कोई परिवार नहीं है, नामांकन करता है, वह इस कालम में यह विनिर्दिष्ट करे कि बाद में परिवार के होने पर यह नामांकन रद्द हो जाएगा।

फार्म म. 8

केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980 के अन्तर्गत लाभ हेतु नामांकन।

जब सरकारी कर्मचारी का परिवार है और वह एक अथवा एक से अधिक सदस्य नामित करना आहता हो।

मैं एतद्वारा नीचे उल्लिखित व्यक्ति/व्यक्तियों को, जो मेरे परिवार का सदस्य है/ के सदस्य हैं तथा उसे/उन्हें यह अधिकार प्रदान करता हूँ कि नीचे उल्लिखित सीमा तक कोई भी राशि प्राप्त कर सकते हैं जो केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा सेवाकाल के दौरान मेरी मृत्यु हो जाने पर स्वीकृत की जाए। अथवा जो राशि मेरी अधिविधिता की आयु हो जाने पर देय हो गई हो किन्तु मेरी मृत्यु पर असंदर्भ रह जाएः—

नामित/नामितियों के सरकारी कर्मचारी आयु
नाम तथा पते के साथ संबंध

प्रत्येक को अदा किया
*जाने वाला हिस्सा

वे आकस्मिकताएं
घटने पर नामांकित रद्द का नाम, पता तथा संबंध
हो जाएगा।

जिसको नामित/की सरकारी
कर्मचारी से पूर्व मृत्यु हो
जाने की स्थिति में उसका
हक्क चला जाएगा

- 1.
- 2.
- 3.

विशेष ध्यान दें :—

सरकारी कर्मचारी अपनी अंतिम प्रविधिट के नीचे खाली स्थान पर एक लाइन खींच दें ताकि उनके हस्ताक्षर करने के बाद कोई अन्य नाम उनमें न जोड़े जा सकें।

दिनांक 19 को में दो गवाहों के हस्ताक्षर

- 1.
- 2.

सरकारी कर्मचारी के हस्ताक्षर

*इस कालम को इस प्रकार भरा जाना चाहिए कि बीमा योजना के अन्तर्गत की जाने वाली समस्त राशि उसमें शामिल हो जाए।

केन्द्रीय सरकारी समूह बीमा योजना, 1980

सदस्यों का रजिस्टर

समूह

भाग-1 : उन कर्मचारियों के ब्लौरे जो केवल बीमा राशि में अंशदान कर रहे हैं।

क्र. सं.	नाम	पदनाम	जन्म-तिथि	नियुक्ति की तारीख	वह तारीख जबसे अंशदान करना शुरू किया	उच्चतर समूह में पदोन्नति की तारीख/अन्य विभागों में स्थानान्तरण की तारीख	मृत्यु की तारीख अभ्युक्ति	
1	2	3	4	5	6	7	8	9

भाग - II : बीमा निधि और बचत निधि दोनों ही में अंशदान करने वाले कर्मचारियों का ब्लौरा।

क्र. सं.	नाम	पदनाम	जन्म-तिथि	नियुक्ति की तारीख	वह तारीख जबसे अंशदान करना शुरू किया	उच्चतर समूह में पदोन्नति की तारीख/अन्य विभागों में स्थानान्तरण की तारीख	सदस्यता समाप्त होने की तारीख और उसके कारण	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9

सेवा में,

कार्यालय अध्यक्ष,

महोदय,

वित्त भंगालय के 27 अक्टूबर, 1986 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 7 (6)–संस्था-1/86 के सदर्भ में, मैं प्रतिवारा अनुरोध करता हूँ कि मुझे केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980 के समूह में उसमें उल्लिखित शर्तों पर 1-1-1987 से सदस्य के रूप में शामिल कर लिया जाए। मैं योजना के प्रावधानों के अनुसार रु. के अंशदान की बसूली के लिए सहमत हूँ ताकि मुझे योजना के अन्तर्गत बचत निधि के लाभों के अलावा 1 जनवरी, 1987 के सामान्य कार्य समय आरम्भ होने से लेकर रु. का बीमा रक्षण प्राप्त हो सके।

भवदीय,

()

कर्मचारी का नाम तथा पदनाम

स्थान :

तारीख :

फार्म सं. 11

सेवा में,

(विभागाध्यक्ष)

महोदय,

मैं फ्लैट/मकान (अपौरा दे) अधिग्रहण करने के प्रयोजन से मैसर्स (कर्मचारी का नाम) से रु. (शब्दों और अंकों में) का ऋण लेने के संबंध में बातचीत कर रहा हूँ। जैसा कि मैसर्स द्वारा वांछित है और मैंने समझति दे दी है, मुझे केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980 के सदस्य के रूप में कर्मचारी बीमा राशि और बचत निधि में संचित राशि मैसर्स को समनुदेशित करने की अनुमति दे दी जाए। मैं एतवारा आपको मेरे सरकारी सेवा में न रहने पर मुझे भी जाने वाली राशि अथवा मेरी मृत्यु होने पर मेरे नामिती/नामितियों को देय राशि का मैसर्स से मेरे द्वारा लिए गए ऋण की बकाया राशि के बदले उन्हें भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ। शेष राशि की अंशायगी यदि कोई हो, तो मुझे/मेरे नामिती/नामितियों को कर दी जाए।

मैसर्स के साथ मेरे द्वारा किए जाने वाले करारनामे की एक सत्यापित प्रति यथा-समय रिकार्ड के लिए प्रस्तुत कर दी जाएगी।

भवदीय,

(कर्मचारी का नाम तथा पद नाम)

फार्म सं. 12

सेवा में,

श्री

महोदय,

आपके दिनांक के पत्र के संदर्भ में मकान/फ्लैट (अपौरा दे) का निर्माण/अधिग्रहण करने के प्रयोजन से रु. (शब्दों और अंकों में) का ऋण लेने तथा केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना, 1980 के सदस्य के रूप में आपकी बीमा राशि और बचत निधि में संचित राशि मैसर्स को समनुदेशित करने की (विभागाध्यक्ष) की स्वीकृति सम्प्रैषित करने का मुझे निर्देश हुआ है। आपकी और ऋण के कारण देय राशि के प्रति मैसर्स द्वारा दावा की गई रकम की बिना विस्तृत जांच पड़ताल के उन्हें अदायगी कर दी जाएगी और बचत निधि में संचित राशि अथवा बीमा राशि तथा बचत निधि में संचित राशि के कारण शेष राशि, यदि कोई हो का ही, भुगतान आपको अथवा आपके नामिती/नामितियों को, जैसा भी मामला हो, किया जाएगा।

2. आपके दिनांक के पत्र की अधिग्रामाणित प्रति तथा यह पत्र मैसर्स को उनके रिकार्ड के लिए भेजा जा रहा है।

भवदीय,

()

व्याख्यातमक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय सरकारी समूह बीमा योजना, 1980 के अंतर्गत एक जनवरी, 1990 से सभी समूहों के केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए अंशवान तथा तदनुरूपी बीमा की दरें बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दी हैं।

अखिल भारतीय सेवा (समूह बीमा) नियमावली, 1981 की अनुसूची को 1 जनवरी, 1990 से तदनुसार संशोधित किया जा रहा है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना के भूतलक्षी प्रभाव से लागू होने से, अखिल भारतीय सेवा के किसी सदस्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पणी :— अखिल भारतीय सेवा (समूह बीमा) नियमावली, 1981 को दिनांक 10 नवम्बर, 1981 की सा. का. नि. संख्या 584ई द्वारा सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किया गया।

[संख्या 11024/76/79 — अ. भा. रा. (III)]

श्रीमती सुभद्रा एस., ग्रवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 7th March, 1990

NOTIFICATION

G.S.R. 387(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with Rule 5 of the All India Services (Group Insurance) Rules, 1981, the Central Government in consultation with the State Governments concerned, hereby makes the following Rules further to amend the All India Services (Group Insurance) Rules, 1981, namely :—

1. (1) These Rules, may be called the All India Services (Group Insurance) Amendment Rules, 1990.

(2) They shall be deemed to have come into force on the first day of the January, 1990.

2. In the All India Services (Group Insurance) Rules, 1981, for the existing Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

(See rule 3)

(Annexure to the Ministry of Finance (Department of Expenditure's O.M. No. F. 7(5)-E. V/89 dated 15th May, 1989).

Central Govt. Employees Group Insurance Scheme, 1980

Date of effect

1. Central Govt. Employees Group Insurance Scheme, 1980 hereinafter referred to as the 'scheme' was notified on 1st Nov., 1980 and came into force with effect from the forenoon of 1st Jan., 1982.

Objective

2. The 'scheme' is intended to provide for the Central Govt. employees, at a low cost and on a wholly contributory and self-financing basis, the twin benefits of an insurance cover to help their families in the event of death in service and a lump-sum payment to augment their resources on retirement.

Application

3.1 The 'scheme' shall apply to all Central Govt. servants including those in the Railways, Posts and Telegraphs and Defence except members of the Armed and Para-Military Forces who have already separate schemes of their own. Contract employees/persons on deputation from State Govts. Public Sector Undertakings, or other autonomous organisations locally recruited staff in the Indian Missions abroad, casual

labourer, part-time and ad-hoc employees will not be covered by the 'scheme'. The 'scheme' will also not apply to persons recruited under the Central Govt. after attaining the age of 50 years. Such Central Govt. servants to whom the 'scheme' applies will hereafter be referred to as 'employees'.

3.2 Re-employed Defence personnel availing the extended insurance cover under the Group Insurance Scheme applicable to the members of Armed Forces shall not be eligible to become members of the Central Govt. Employees Group Insurance Scheme, 1980 as long as they continue to avail such insurance cover. On expiry of that benefit and subject to fulfilment of the prescribed conditions, these personnel may, on their request, be considered for membership under the Central Govt. Employees Group Insurance Scheme, 1980.

Membership

4.1 The 'scheme' will be compulsory for all those 'employees' who enter Central Govt. service after the 'scheme' is notified i.e. all those 'employees' entering Central Govt. service after 1st Nov., 1980 will be compulsorily covered under the 'scheme'.

4.2 Those 'employees' who were in Central Govt. service on the date the 'scheme' was notified had an option to opt out of the 'scheme' by 31st January, 1981. Those 'employees' who did not opt out of the 'scheme' by that date were deemed to have become members of the 'scheme' from the date the 'scheme' came into force. Those 'employees' who had opted out of the 'scheme' were, however, allowed further opportunities on 20th February, 1982, 14th February, 1983, 30th March, 1985 and 27th October, 1986 to become members of the 'scheme'. The option on all these occasions was to be exercised in Form No. 10. No further choice will be available to the employees who failed to avail themselves of the opportunity given on 27th October, 1986.

4.3 After the 'scheme' has come into force all 'employees' who enter service on or after 2nd January of any year shall be enrolled as members of the 'scheme' on the next anniversary of the 'scheme'.

Subscription for members

5.1 The subscription for the 'scheme' will be in units of Rs. 10 p.m. till 31st Dec., 1989. Thereafter with effect from 1st January, 1990 the subscription for the 'scheme' will be in units of Rs. 15 p.m. All those 'employees' who were members of the 'scheme' on 31st January, 1989 have an option to opt out of the scheme with subscription units of Rs. 15 p.m. This option should be exercised by 15th June, 1989. Those 'employees' who do not opt out of the scheme with the subscription units of Rs. 15 p.m. by that date will be deemed to have opted for the scheme with the subscription units of Rs. 15 p.m. effective from 1st January, 1990. The option once exercised or not exercised will be treated as final and no further choice will be available. Other employees who opt out of the scheme with the subscription units of Rs. 15 p.m. will continue to subscribe for the scheme in units of Rs. 10 p.m. till they cease to be in employment with the Central Government on account of retirement, resignation, death etc.

5.2 A Group 'D' employee will subscribe for one unit, a Group 'C' employee for two units, a Group 'B' employee for four units and a Group 'A' employee for eight units. Thus the rate of subscription for a member of the scheme who opts out the scheme with the subscription units of Rs. 15 p.m. shall be Rs. 10 Rs. 20 Rs. 40 and Rs. 80 p.m. for Group 'D', 'C', 'B' and 'A' employees respectively. In the case of other employees the rate of subscription for the scheme shall be Rs. 15, Rs. 30, Rs. 60 and Rs. 120 p.m. for Group 'D', 'C', 'B' and 'A' employees respectively.

5.3 In the event of regular promotion of an employee from one Group to another, his/her subscription shall be raised, from the next anniversary of the scheme, to the level appropriate to the Group to which he/she is promoted. Until, the date of next anniversary of the scheme he/she shall continue to be covered for insurance for the same amount for which he/she was eligible before such promotion.

For example, if the revised rates of subscription come into force w.e.f. 1st January, 1990, a Group 'D' employee promoted on regular basis to Group 'C' in February, 1990 shall continue to subscribe at the rate of Rs. 15 p.m. upto December, 1990 and be eligible for the insurance cover of Rs. 15,000 only in addition to the benefits from the Savings Fund appropriate to his subscription. From January, 1991 his subscription will be raised to Rs. 30 p.m. and he will become eligible for an insurance cover of Rs. 30,000 in addition to appropriate benefits from the Savings Fund.

5.4 Sometimes regular promotion, e.g. on until further orders basis cannot be made for various reasons even though it is known that the promotion of the individual is likely to continue on a long term basis. Therefore, unless a promotion has been made for a specified or short period and expected that the employees would revert to a post in a lower group at the end of that period, he/she should be treated to have been promoted, for the purpose of the scheme on a regular basis and subscription should be recovered accordingly. The question, whether an employee is likely to revert to post in the lower Group may be decided by the administrative authorities in their discretion, taking into consideration the circumstances of each case. Once a person has been admitted to a higher Group, the rate of subscription will continue at the same level even if that person reverts to a post in the lower Group later on for any reason.

Premium and Insurance cover for Employees other than Members

6. The employees entering service on or after 2nd January of any year will be given benefit of appropriate insurance cover from the date of joining Government service to the date of their becoming members of the scheme on payment of a subscription of Rs. 5 p.m. as the premium for every Rs. 15,000 of the insurance cover. From the date of anniversary of the scheme they will subscribe at the rate indicated in para 5.2 above.

For example, if the revised rates of subscription come into force w.e.f. 1st January, 1990, a Group 'D' employee entering service in February, 1990 shall pay a subscription of Rs. 5 p.m. as premium for a insurance cover of Rs. 15,000 for a period of 11 months until December, 1990 and from January, 1991 his subscription will be raised to Rs. 15 p.m. and he shall become eligible for the benefits from Savings Fund in addition to the insurance cover of Rs. 15,000. Similarly a Group 'C' employee entering service in February, 1990 will pay a subscription of Rs. 10 p.m. as the premium for an insurance cover of Rs. 30,000 for a period of 11 months upto December, 1990 and from January, 1991 his subscription will be raised to Rs. 30 p.m. and he shall become eligible for the benefits from the Savings Fund in addition to insurance cover of Rs. 30,000.

Insurance Fund and Insurance cover for members

7.1 In order to provide an insurance cover to each member of the scheme a portion of the subscription shall be credited to an insurance fund to be held in the Public Account of the Central Government. The amount of insurance cover will be Rs. 15,000 for each unit of subscription of Rs. 15

p.m. and Rs. 10,000 for each unit of subscription of Rs. 10 p.m. It will be paid to the families of those employees who unfortunately die due to any cause, including suicide, while in Central Government service.

7.2 The positive and negative balances under the Insurance Fund shall be credited or debited, as the case may be, with the amount of interest calculated at the prevailing rate of interest on the Post Office Savings Bank Deposits, which at present is 5½% per annum.

Savings Fund

8.1 The balance of the subscription shall be credited to Savings Fund. The amount in the Savings Fund will be held by the Central Government in Public Account. The total accumulation of Savings together with interest thereon will be payable to the member on his retirement after attaining the age of superannuation or on cessation of his employment with the Central Government or to his family on his death while in service.

8.2 The actual benefits from the Savings Fund will be as shown in the Table to be issued for each year. The Table will be constructed on the basis of individual's subscription reduced by the cost of insurance at mortality rate of 3.60 per thousand per annum and the compound interest at the rate of 12% per annum (compounded quarterly). If at any time the rate of interest changes and/or the cost of insurance changes, the benefits available from the Savings Fund will also change correspondingly.

8.3 In the case of death of a member while in service the payment of the amount of insurance will be in addition to the payment from the Savings Fund.

8.4 The positive balance under the Savings Fund shall be credited with the amount of interest calculated at the rate of interest notified by the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, for the purpose.

8.5 Interest was allowed at 10% per annum (compounded quarterly) on the balances in the Savings Fund for the period from 1st January, 1982 to 31st December, 1982 and at 11% per annum (compounded quarterly) on the balances in the Savings Fund for the period from 1st January, 1983 to 31st December, 1986. Interest is allowed at 12% per annum (compounded quarterly) on the balances in the Savings Fund w.e.f. 1st January, 1987.

Recovery of Subscription

9.1 The subscription of a member for a month shall fall due at the commencement of the normal working hours on the 1st of that month.

9.2 The subscription as a premium for the insurance cover from the date of joining Government service to the date of membership of the scheme shall initially fall due from the date of joining and subsequently from the commencement of normal working hours on the 1st day of every month.

9.3 The subscription for a month shall be recovered by reduction from the salary/wage of the employee for that month irrespective of the date of actual payment of salary/wage for that month.

9.4 The subscription shall be recovered every month including the month in which the employee ceases to be in employment on account of retirement, death, resignation, removal, etc. from service.

9.5 The Drawing and Disbursing Officer shall recover the subscription from the employees irrespective of their being on duty, leave or suspension.

9.6 No interest shall be levied on arrears of subscription if the non-recovery is due to delayed payments of salary/wage.

9.7 If an employee is on extraordinary leave and there is no payment of his salary/wage for any period his subscription for the months for which no payments of salary/wage are made to him shall be recovered with interest rounded to the nearest whole rupee admissible under the scheme on the

accretions to the Savings Fund in not more than three instalments commencing from his salary/wage for the months following the month in which he resumes duty after leave. If an employee dies while on extraordinary leave the subscription due from him shall be recovered with interest rounded to the nearest whole rupee admissible under the scheme on the accretions to the Savings Fund from the payments admissible to his family under the scheme.

For example, if a Group 'D' employee proceeds on ten months extraordinary leave from 5-2-1990 to 4-12-1990 and no salary/wage is paid to him for any day for March, 1990 to November, 1990, his subscriptions totalling Rs. 135 will be recovered together with the interest calculated at the compound rate of interest of 12% per annum in not more than three instalments commencing from January, 1991.

9.8 If an employee proceeds on deputation or on foreign service the borrowing authority/foreign employer shall be requested to effect the recovery on the subscription and credit the same to the relevant head of account. It shall be ensured that the necessary clause to this effect is included in terms of deputation/foreign service. The recovery of this amount will be watched in the same manner as applicable to leave salary and pension contribution. If at any time the recovery of subscription falls in arrears, the same shall be recovered with interest admissible under the scheme on the accretions to the Savings Fund in not more than three instalments.

Finance of subscription from General/Contributory Provident Fund

10.1 It will not ordinarily be permissible to finance the scheme from the General/Contributory Provident Fund. However, if at any stage the position of an individual member does not permit him to subscribe to the scheme and to the General/Contributory Provident Fund at the same time, he may be permitted to make, as a separate transaction a non-refundable withdrawal from the General/Contributory Provident Fund of an amount equivalent to a year's subscription paid for the scheme.

10.2 The subscription to the scheme will form part of the deduction allowable in respect of life insurance premia contributions to Provident Fund etc., in computing the total income of the subscriber for the purpose of income-tax except to the extent of the amount finally withdrawn from the General/Contributory Provident Fund on account of such subscription.

Payments from Insurance Fund/Savings Fund

11.1 If an employee retires on attaining the age of superannuation or otherwise ceases to be in Central Government service and his service book discloses that he has been the member of the scheme the Head of Office shall issue a sanction for the payment of the member's accumulation in the Savings Fund after obtaining a simple application in Form No. 4.

11.2 If an employee dies while in service and his service book discloses that he was a member of the scheme, the Head of Office shall address the nominees/heirs of the Government servant concerned in Form No. 5 to submit an application in Form No. 6 and on receipt thereof shall issue sanction for the payment of the amount of insurance and the accumulation in the Savings Fund to him (them).

11.3 In the event of death of a member of the scheme while in service if a person who is eligible to receive insurance amounts, is charged with the offence of murdering the member of the scheme or abetting in the commission of such an offence, his/her claim to receive insurance amounts shall remain suspended till the conclusion of the criminal proceedings instituted against such a person. If on the conclusion of the criminal proceedings the person concerned is convicted for the murder or abetting in the murder, he/she shall be debarred from receiving his/her share of insurance amounts, which shall be paid in equal shares to other eligible persons. However, on the conclusion of the criminal proceedings if the person concerned is acquitted of the charge of murdering or abetting in the murder, his/her share of insurance amounts shall be paid to him/her without any interest thereon.

11.4 If a member of the scheme is missing and has not been traced, the insurance cover shall be paid to the nominees/heirs of the missing person after expiry of a period of 7 years following the month of disappearance of the member provided the claimants produce a proper and indisputable proof of death or a decree of the court that the employee concerned should be presumed to be dead as laid down in section 108 of the Indian Dividende Act, the accumulation in the Savings Fund may, however, be paid to the nominees/heirs after lapse of a period of one year following the month of disappearance subject to the fulfilment of the following conditions :—

(i) The family must lodge a report with the concerned Police Station and obtain a report that the employee has not been traced after all efforts had been made by the police.

(ii) An Indemnity Bond should be taken from the nominees/heirs of the employee that all payments shall be adjusted against the payment due to the employee in case he/she appears on the scene and makes any claim.

11.5 Full subscription at the rate applicable on the date of disappearance of the employee will continue to be recovered every month from the nominees/heirs of the missing employee for a period of one year following the month of disappearance, hereafter premium for insurance cover at the rate of Rs. 5 per month for every Rs. 15,000 of the insurance cover will be recovered for a further period of six years or till the month in which insurance cover is paid, whichever is later. It will, however, be permissible if recovery of full subscription for one year together with interest thereon at the rate admissible on the accumulation in the Savings Fund is made from the Savings Fund amount to be paid after one year. Similarly, premium for the next six years at the rate of Rs. 5 per month for every Rs. 15000 of the insurance cover may also be recovered together with interest thereon at the rate admissible on the accumulations in the Savings Fund from the insurance amount to be paid after expiry of the period of seven years following the month of disappearance.

11.6 Insurance amount shall be paid to the nominees/heirs of the missing employee subject to the fulfilment of the condition mentioned in para 11.4 even if the date of superannuation of the missing employee falls before the expiry of the period of seven years following the month of disappearance.

11.7 The amount payable to the nominees/heirs of an employee who has the benefit of an insurance cover only will be the amount of insurance appropriate to his Group.

11.8 The amount payable to the nominees/heirs of a member of the scheme who dies while in service shall be :

(a) the amount of appropriate insurance to which he was entitled at the time of his death; plus

(b) the amount due to him out of the Savings Fund for the entire period of his membership in the lowest Group; and

(c) the amount or amounts due to him for the additional units by which his subscription was raised on each occasion due to appointment/promotion to higher Group for the period from which the rate of subscription was raised to the date of his death.

EXAMPLE-I

If a Group 'D' employee who is a member of the scheme since January, 1984 acquires membership in Group 'C' and Group 'B' after 5 years and 15 years of service respectively and dies while in service after 30 years of total membership in all these Groups, his nominee(s) shall be paid the sum of the following amounts :—

(i) The amount of insurance of Rs. 60,000 due on a monthly subscription of Rs. 60 being a Group 'B' employee on the date of his death;

- (ii) The amount due from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 10 from Jan., 1984 to Dec., 1989 and monthly subscription of Rs. 15 from Jan., 1990 to Dec., 2013 (total 30 years);
- (iii) The amount due from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 10 (Rs. 20—Rs. 10) from Jan., 1989 to Dec., 1989 and monthly subscription of Rs. 15 (Rs. 30—Rs. 15) from Jan., 1990 to Dec., 2013 (total 25 years);
- (iv) The amount due from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 30 (Rs. 60—Rs. 30) from Jan., 1999 to Dec., 2013 (total 15 years).

EXAMPLE-2

If a Group 'D' employee who becomes a member of the scheme since Jan., 1990 acquires membership of Group 'C', Group 'B' and Group 'A' after 5 years, 15 years and 30 years of service respectively and dies while in service after 31 years of total membership in all these Groups, his nominee(s) shall be paid the sum of the following amounts :—

- (i) The amount of insurance of Rs. 120,000 due on a monthly subscription of Rs. 120 being a Group 'A' employee on the date of his death;
- (ii) The amount due from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 15 for 31 years;
- (iii) The amount due from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 15 (Rs. 30—Rs. 15) for 26 years;
- (iv) The amount due from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 30 (Rs. 60—Rs. 30) for 16 years;
- (v) The amount due from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 60 (Rs. 120—Rs. 60) for 1 year.

11.9 The amount payable to the employee who ceases to be in employment with the Central Government on account of resignation, retirement, etc. shall be:—

- (a) The amount due to him from Savings Fund for the entire period of his membership in the lowest Group; and
- (b) The amount of amounts due to him for the additional units by which his subscription was raised on each occasion due to appointment, promotion to higher Group, for the period from which the rate of subscription was so raised to the date of cessation of his membership.

EXAMPLE-1

If a Group 'C' employee who is a member of the scheme since Jan., 1983 acquires membership in Group 'B' and Group 'A' after 10 and 20 years of service respectively and retires on superannuation after 30 years of total membership in all these Groups, he shall be paid the sum of the following amounts :—

- (i) The amount due to him from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 20 from Jan., 1983 to Dec., 1989 and monthly subscription of Rs. 30 from Jan., 1990 to Dec., 2012 (total 30 years);
- (ii) The amount due to him from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 30 (Rs. 60—Rs. 30) from Jan., 1993 to Dec., 2012 (total 20 years);
- (iii) The amount due to him from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 60 (Rs. 120—Rs. 60) from Jan., 2003 to Dec., 2012 (total 10 years).

EXAMPLE-2

If a Group 'D' employee who becomes a member of the scheme in Jan., 1991 acquires membership in Group 'C', Group 'B' and Group 'A' after 15 and 25 years of service respectively and retires on superannuation after 32 years of total membership in all these Groups, he shall be paid the sum of the following amounts :—

- (i) The amount due to him from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 15 for 32 years;
- (ii) The amount due to him from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 15 (Rs. 30—Rs. 15) for 17 years; and
- (iii) The amount due to him from Savings Fund on a monthly subscription of Rs. 30 (Rs. 60—Rs. 30) for 7 years.

11.10 If any employee dies during a month before the recovery of subscription for that month from him, his dues shall be paid after deducting the subscription.

11.11 If any employee joins later on an All India Service, his case shall be regulated in such a manner as may be decided by the Ministry of Finance.

WITHDRAWALS FROM INSURANCE FUND|SAVINGS FUND

12.1 It will not be permissible for any member or beneficiary of the scheme to withdraw any amount out of the insurance fund to which he has been subscribing. The amount due from the fund on the death of a member of the scheme while in service shall be worked out in accordance with para 11.8 and paid to his nominee(s) in accordance with the accounting procedure prescribed separately.

12.2. It will not be permissible for any member of the scheme to withdraw any amount out of the Savings Fund, he has been subscribing. The amount due to him from the fund on his cessation of employment on account of resignation, retirement, etc. shall be worked out in accordance with para 11.9 and paid to him or his nominee(s) in accordance with the accounting procedure prescribed separately.

LOANS ADVANCES FROM OR AGAINST ACCUMULATIONS IN INSURANCE FUND|SAVINGS FUND

13.1. No loans or advances shall be paid to any member or other beneficiary of the scheme from his/her accumulations in the Insurance Fund/Savings Fund to which he/she has been subscribing.

13.2. A member of the scheme who has obtained House Building Advance from the Govt. can assign his/her Insurance cover and accumulation in the Savings Fund to a recognised financial institution for the purpose of obtaining additional loans for acquiring a plot of land or a ready built house/flat or for building a house/flat. Permission for assignment of the insurance cover and accumulation in the Savings Fund may be given with the specific approval of the Head of Deptt., if the member of the scheme makes a request in writing in Form No. 11 subject to the condition that the total amount of House Building Advance sanctioned by the Govt. and the loan raised by the member from the financial institution taken together shall not exceed the cost ceiling limits prescribed by the Ministry of Urban Development.

13.3 If a member of the scheme has a plot of land in the name of any member of his/her family and proposes to construct a house on that plot of land or if a member of the scheme proposes to acquire a ready built house/flat or a plot of land in the name of any member of his/her family, he/she will be permitted to assign his/her insurance cover and accumulation in the Savings Fund for obtaining loan from a recognised financial institution.

13.4 The head of Deptt. will communicate his permission for assignment of the insurance cover and accumulation in Savings Fund to the employee in Form No. 12. The request of the employee in Form No. 11 and communication of permission in Form No. 12 will be pasted in the service record of the employee with the following entry in the service record in red ink :—

"(Name of the employee) has been allowed at his/her request to assign his/her insurance cover and Savings Fund accumulation under the Central Govt. Employees Group Insurance Scheme, 1980 to (the name of the recognised financial institution).
"vide letter No. Dt."

13.5. At the time of the settlement of the claim of the employee or his/her nominee(s) under the scheme the amount claimed by the financial institution as due from the employee on account of loan will be paid to the institution without any detailed scrutiny and only the balance amount if any, will be paid to the employee or his/her nominee(s).

UTILISATION OF ACCUMULATIONS IN INSURANCE FUND|SAVINGS FUND

14. The accumulation in the insurance Fund|Savings Fund shall be at the disposal of the Central Govt. Since the scheme is wholly self-supporting and self-financing, the bulk of these accumulations are proposed to be utilised for ownership housing schemes and other schemes for the benefit of the members of the scheme.

MODE OF NOTIFICATION OF THE SCHEME

15. The scheme shall be notified to the employees by displaying a copy thereof on the notice board or where no such notice board is provided at a prominent place in a premises where the employees are working. A few copies of the scheme may also be supplied to the recognised unions/associations of the employees.

ACTION ON NOTIFICATION OF THE SCHEME

16. By the 10th of every month following the month in which the scheme is notified, the Head of Office shall supply to the Drawing & Disbursing Officer names, Groups, dates of birth and date of appointment of persons who may be appointed to any service or post under the Central Govt. during the preceding month and who would be eligible to be the members of the scheme in terms of para 3 of the scheme.

ACTION ON THE SCHEME COMING INTO FORCE

17.1. By the 10 of the month in which the scheme came into force the Head of Office had to supply to the Drawing & Disbursing Officer a statement indicating the name, Group and the date of birth of every employee who had been in the Central Govt. Service on the date the scheme was notified, but had not opted out of the scheme.

17.2 Every member of the scheme shall be informed in Form No. 1 the date of his enrolment, the subscription to be deducted and the benefits to which he would be eligible. On his regular promotion from one Group to another he will be similarly informed in Form No. 2.

17.3 The option exercised by the employees who were already in Central Government service on the date the scheme was notified was to be in Form No. 3 which had to be pasted in the service book of the individuals concerned.

REGISTER OF MEMBERS

18. The Head of Office shall ensure that Group-wise register of member is maintained in the Form No. 9 and kept upto date. This register shall be sent to the D.D.O. concerned once a year to verify whether appropriate subscriptions are being recovered from all employees who have joined the insurance fund or both the insurance Fund and the Savings Fund under the scheme and to record a certificate to this effect.

NOMINATIONS

19.1 The Head of Office shall obtain from every member of the scheme a nomination conferring on one or more persons the right to receive the amount that may become payable under this scheme in the event of his/her death before attaining the age of superannuation. In the case of employees who join Central Government service after the date on which the scheme is notified such nomination shall be obtained alongwith joining report.

19.2 If a member of the scheme happens to be minor, he/she will be required to make nomination on his/her attaining the age of majority.

19.3 If a member of the scheme has a family at the time of his/her making the nomination he/she shall make such nomination only in favour of a member or members of his/her family. For this purpose, family will have the same meaning as assigned to it in the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 or Contributory Provident Fund Rules (India) 1962, as the case may be.

19.4 If a female member of the scheme by notice, in writing to the Head of Office expresses her desire to exclude her husband from her family, the husband shall henceforth be deemed to be no longer a member of her family in matters to which the scheme relates, unless she subsequently cancels such notice in writing.

19.5 If nominated member(s) of family subsequently cease to be the member(s) of the family, e.g. minor brother crossing the age of minority, marriage of unmarried sister, remarried sister, remarriage of widow before payment of insurance amounts, etc., nomination made in favour of such member(s) shall become invalid.

19.6 If a member nominates more than one person, he/she should specify in the nomination the amount of share payable to each of the nominee(s) in such a manner as to cover the whole of the amount payable under the scheme failing which the amount payable under the scheme shall be equally distributed among the nominees.

19.7 The nomination shall be made in Form 7 or Form No. 8 as is appropriate in the circumstances.

19.8 A member of the scheme may at any time cancel a nomination by sending a notice to the Head of Office along with a fresh nomination made in accordance with the above provision.

19.9 The nomination received from the members shall be counter-signed by the Head of Office and pasted in their service books. The Head of Office shall also make an entry in the service book that the nomination has been duly received.

19.10 If a member of the scheme dies without leaving behind a valid nomination, the nomination, if made under GPF/CPF Rules may be accepted for the purpose of the scheme also. Where there is no nomination even for GPF/CPF accounts, amounts payable under the scheme shall be paid as follows :—

(a) The entire amount may be paid in equal shares to widow/widows, minor sons and unmarried daughters provided that in the case of more than one widow the second and subsequent marriages were solemnised with the permission of Central Government. In the case of minor sons and daughters their mother, who is not a Muslim lady, shall be deemed to be the natural guardian to receive the amount due. Guardianship certificate has to be produced by the minor sons and daughters of a Muslim lady.

(b) In the absence of member(s) eligible under (a) above, the payment may be made in equal shares to other members of the family as defined in General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960/Contributory Provident Fund Rules (India), 1962.

(c) In the absence of member(s) eligible under (b) above also payment may be made to other legal heir(s) not covered by items (a) and (b) above.

19.11 In the case of claimants covered by items (a) and in para 19.10 the payment will be made by the Head of Office without insisting on production of Succession Certificate but in the event of payment to the claimants covered by item (c) in para 19.10 Succession Certificate issued by a competent court will have to be produced.

20. Central Government Employees Insurance Scheme, 1970.—Central Government Employees Insurance Scheme, 1977 introduced by the Department of Expenditure O.M. No. 60/14/77-IC dated 23rd June, 1977 will continue for those employees who have opted out of the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980 till they cease to be in employment with the Central Government on account of retirement, resignation, death, etc.

ACCOUNTING

21.1 The transactions relating to the scheme shall be accounted for in accordance with the procedure laid down separately.

21.2 Government dues recoverable from a member of the scheme shall not be adjusted from the amounts payable under this scheme except as provided in para 13.5.

INTERPRETATION AND CLARIFICATION

22.1 If any categories of employees are not specifically classified into Group 'A' Group 'B' Group 'C' or Group 'D' their classification shall be assumed in accordance with the principles laid down in this regard under the Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965.

22.2 In the actual implementation of the scheme if any doubt arises in regard to the interpretation of any of the provisions of this scheme or if any point requires clarification, the matter may be referred to the Ministry of Finance, whose decision shall be final.

REVIEW OF THE SCHEME

The working of the scheme will be reviewed every three years to ensure that the scheme remains self-financing and self-supporting.

FORM NO. I

Government of India

Ministry of

Department/Office

To Dated

MEMORANDUM

Shri a Group employee has been enrolled as a member of the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980 w.e.f. monthly subscription of Rs. (Rupees) shall be deducted from his salary/wage commencing from the month of and he will be eligible to the benefits of the scheme appropriate to Group w.e.f.

(Head of Office)

To

Shri

Name and designation of the employee

FORM NO. 2

Government of India

Ministry of

Department/Office

Dated

MEMORANDUM

Shri * has been promoted on a regular basis, from Group to Group w.e.f. His monthly subscription for the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980 shall be raised from Rs. to Rs. from the month of and he will be eligible to the benefits of the scheme appropriate to Group w.e.f.

(Head of Office)

Shri *

* Name and designation of the employee

FORM NO. 3

To (Head of Office)

Sir,

I have read and understood/I have been explained the details of the new Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980. I opt to remain outside this new 'Scheme'.

Yours faithfully,

()

Name and designation of the employee

Place :

Date :

FORM NO. 4

To

* The

Subject :—Application for payment of accumulation under Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980.

Sir,

I have been a member of the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980 since ** I have retired from service after attaining the age of years/I have ceased to be in employment with the Central Government w.e.f. I was holding the post of before retirement/cessation of employment with the Central Government. I request that the amount due to me under the Central Government Employees Group Insurance Scheme may be paid to me.

Yours faithfully

()

Designation and address of the Head of Office

Month and the year of becoming a member of the scheme may be indicated here.

Form No. 5

FORM NO. 6.

No
 Government of India
 Ministry of
 Department of
 Office of

To
 * _____

Subject :—Payment of the amount due under the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980.

Dear/Sir/Madam,
 I am directed to state that the late Shri has nominated you for payments of full/..... percent of amounts due under the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980. You are, therefore, requested to submit an application in the enclosed from No. 6 for arranging payment.

Yours faithfully

* Name and address of the nominee.

To

* The

Subject :—Application for payment of amount due to late Shri under the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980.

Sir,

With reference to your letter No. dated I hereby request that the full/..... percent of amount due to late Shri under the Central Government Employees Group Insurance Scheme may be paid to me.

Yours faithfully,

()

* Name and address of the office from where Form No. 5 is received.

FORM NO. 7

Nomination for benefits under the Central Govt. Employees Group Insurance Scheme, 1980.

When the Government servant has not family and wishes to nominate one person or more than one person.

I, having no family, hereby nominate the person/persons mentioned below and confer on him/them the right to receive to the extent specified below any amount that may be sanctioned by the Central Government under the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980 in the event of my death while in service or which having become payable on my attaining the age of superannuation may remain unpaid at my death.

Name and address of nominee	Relationship with govt. servant	Age	Share of amount to be paid to each.	Contingencies** on the Name, address and happening of which relationship of the nomination shall become invalid.	whom the right of the nominee shall pass in the event of his predeceasing the Government servant.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1					
2					
3					

Dated, this day of

19

at

Two witnesses to signature.

1.
2.

Signature of Government Servant

N.B.—The Government servant should draw line across the blank space below his last entry to prevent the insertion of any names after he has signed.

*This column should be filled in so as to cover the whole amount they may be payable under the Insurance Scheme,

**Where a Government servant who has no family makes a nomination, he shall specify in this column that that the nomination shall become invalid in the event of his subsequently acquiring a family.

Nomination for benefits under the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980.

When the Government servant has a family and wishes to nominate one member or more than one member thereof.

I, hereby nominate the person(s) mentioned below who is/are member(s) of my family, and confer on him/them the right to receive to the extent specified below any amount that may be sanctioned by the Central Government under the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980 in the event of my death while in service or which having become payable on my attaining the age of superannuation may remain unpaid at my death.

Names and address of of nominee/nominees	Relationship with servant	Age	*Share he paid to each	Contingencies on the happening of which the nomination shall become invalid.	Name address and relationship of the person, if any, to whom the right of the nominee shall pass in the event of his pre-deceasing the Govt. servant.
1.					
2.					
3.					

N.B. The Government servant should draw line across the blank space below his last entry to prevent insertion of any name after he has signed.

Two witnesses to signature

Signature of two witnesses :

Signature of Government servant.

*This column should be filled in so as to cover the whole amount they may be payable under the insurance Scheme.

FORMN NO. 9

CENTRAL GOVERNMENT EMPLOYEES GROUP INSURANCE SCHEME 1980
REGISTER OF MEMBERS

Section 1: Particulars of employees subscribing to the Insurance Fund only.

Sl. No.	Name	Designation	Date of birth	Date of appointment	Date of commencement of subscription	Date of promotion to higher Group/Date of transfer to other Department.	Date of death	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Section II—Particulars of employees subscribing to both Insurance Fund and Savings Fund.

Sl. No.	Name	Designation	Date of birth	Date of appointment	Date of commencement of subscription	Date of promotion to higher Group/Date of transfer to other Department	Date of cessation of membership and reason therefor	Remarks.
1	2	3	4	5	6	7	8	9

FORM 10

To
(Head of Office)

Sir,

With reference to the Ministry of Finance Office Memorandum No. 7(6)EV/86, dated the 27th October, 1986, I hereby request that I may be enrolled as a Member in Group of the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980 with effect from 1-1-1987 on the conditions specified therein. I agree to the recovery of the subscription of Rs. as per provisions of the Scheme for providing me with an insurance cover of Rs. commencing from the commencement of normal working hours on the 1st January, 1987, besides benefits from the Savings Fund under the Scheme.

Yours faithfully,
()

Name and designation of the employee

Place :

Date :

FORM No. 11

To
(Head of Department)

Sir,

I am negotiating a loan of Rs. (in words and figures) from M/s (name of the Company) for the purpose of acquiring/constructing a flat/House (give details). As desired by M/s. and agreed to by me, I am permitted to assign my insurance cover and saving fund accumulation as a member of the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980 to M/s. I hereby

authorise you to utilise the amount payable to me on my ceasing to be in government service or to my nominee(s) in the event of my death for making payment to M/s. on account of outstanding dues against the loan taken by me from them. The balance amount, if any, may be paid to me/my nominee(s).

A true copy of the agreement that would be entered into by me with M/s. will be submitted for record in due course.

Yours faithfully,
(Name and designation of the employee)

FORM No. 12

To
Shri

Sir,

With reference to your letter dated I am directed to convey the approval of the (Head of Department) to your obtaining loan of Rs. (in words and figures) for the purpose of constructing/ acquiring a house/flat (give details) and assigning your insurance cover and accumulation in the Savings Fund as a member of the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980, to M/s. The amount claimed by M/s. as due from you on account of loan would be paid to them without detailed scrutiny and only the balance amount, if any, on account of the accumulation in Savings Fund or Insurance cover and accumulation in Savings Fund would be paid to you or your nominee(s) as the case may be.

2. An authenticated copy of your letter dated and this letter is being sent to M/s. for their record.

Yours faithfully,
()

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government had increased the rate of subscription and corresponding Insurance cover by 50% with effect from the 1st January, 1990 under the Central Government Employees Group Insurance Scheme, 1980 in respect of all Groups of Central Government Employees.

The Schedule to All India Services (Group Insurance) Rules, 1981 are being amended accordingly with effect from the 1st January, 1990.

It is certified that no member of the All India Service is likely to be adversely affected by this notification being given retrospective effect.

Note.—The All India Services (Group Insurance) Rules, 1981 were published in the Official Gazette vide G.S.R. No. 584(E) dated 10th November, 1981.

[No. 11024/86/89-AIS II]

SUBHADRA S. Under Secy.